वर्ष-11 अंक-05 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, बुधवार 05 मार्च 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटर्वक
Download From Google Play
Adhunik Samachar
11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

संशोधन विधेयक लागू होने के बाद अनुबंध अवधि के लाभ देने वाली सभी अधिसूचनाएं और निर्देश लिए वापस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उच्च शिक्षा निदेशक ने कहा कि सहायक प्रवक्ताओं सहित अन्य श्रेणियों के शिक्षकों से संबंधित अनुबंध सेवाकाल से जुड़े वरिष्ठता और वित्तीय लाभ मांगने वाले सभी प्रस्ताव रद्द कर

दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में अनुबंध अवधि के लाभ देने वाली सभी अधिसूचनाएं और निर्देश विदड्रा कर दिए गए हैं। प्रदेश में सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें संशोधन विधेयक 2024 लागू होने पर शिक्षा विभाग ने यह फैसला लिया है। सहायक प्रवक्ताओं, आचार्यों सहित अन्य श्रेणियों के कई शिक्षकों से संबंधित प्रस्ताव अब रद्द माने जाएंगे। जारी पत्र में उच्च शिक्षा निदेशक ने कहा कि सहायक प्रवक्ताओं सहित अन्य श्रेणियों के शिक्षकों से संबंधित अनुबंध सेवाकाल से जुड़े वरिष्ठता और वित्तीय लाभ मांगने वाले सभी प्रस्ताव रद्द कर दिए गए हैं। इस संबंध में जो भी प्रस्ताव संबंधित फाइलें चल रही हैं, उन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। 20 फरवरी 2025 से लागू हुए सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें संशोधन विधेयक 2024 के तहत यह फैसला लिया गया है। कर्मचारी अपनी सेवाओं के नियमितीकरण की तिथि से ही सेवा लाभ के हकदार होंगे। नियमित सेवा के अलावा अन्य सेवा के लिए पहले से दिए गए सेवा लाभ भी इनसे वापस लिए जाएंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कई विभागों में कर्मचारियों को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर अनुबंध सेवाकाल का वरिष्ठता एवं वित्तीय लाभ दिया गया है।

रोहित पर विवादित बयान के बीच कांग्रेस नेता का मांडविया पर पलटवार, कंगना के ट्वीट का दिया हवाला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ने भाजपा सांसद कंगना रनौत के एक पुराने ट्वीट को उठाया, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री ने 2021 में किसानों के विरोध प्रदर्शन पर रोहित शर्मा के रुख की आलोचना की थी। शमा ने इस पर मंत्री और उनकी पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया। भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा पर वजन को लेकर कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद की टिप्पणी पर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने रोहित को बदनाम करने वाली शमा मोहम्मद की पोस्ट की आलोचना की तो एक दिन बाद कांग्रेस प्रवक्ता ने उन पर पलटवार किया। हालांकि, शमा ने रोहित को लेकर की गई पोस्ट हटा दी है। कांग्रेस नेता ने भाजपा सांसद कंगना रनौत के एक पुराने ट्वीट को उठाया, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री ने 2021 में किसानों के विरोध प्रदर्शन पर रोहित शर्मा के रुख की आलोचना की थी। शमा ने इस पर मंत्री और उनकी पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया। दरअसल, 2021 में भाजपा सांसद ने किसान आंदोलन के दौरान रोहित शर्मा के ट्वीट के लिए उन पर हमला बोला था। रोहित की ओर से किसानों के महत्व को उजागर करने और समाधान खोजने की आवश्यकता पर जोर देने के बाद कंगना ने अपने अब हटाए गए पोस्ट में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस पर पार्टी के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए शमा ने अब मांडविया और अन्य भाजपा नेताओं पर निशाना साधा। इससे

पहले केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने रोहित की कप्तानी और फिटनेस स्तर को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पर निशाना साधा था। मांडविया ने शमा के बयान को शर्मनाक बताया था। रोहित रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में 17 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए थे और कांग्रेस प्रवक्ता का बयान इसी के बाद आया था, जिसे लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है।कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के मैच के दौरान सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। इस पोस्ट में कांग्रेस नेता ने लिखा कि 'रोहित शर्मा एक मोटे खिलाड़ी हैं! उन्हें अपना वजन कम करने की जरूरत है। बेशक वह भारत के अब तक के सबसे बेअसर कप्तान हैं।' शमा के इस पोस्ट पर यूजर्स भड़क गए। एक पाकिस्तानी खेल पत्रकार ने भी कांग्रेस नेता के इस पोस्ट पर नाराजगी जाहिर की और रोहित शर्मा को विश्वस्तरीय खिलाड़ी बताया। विवाद बढ़ता देख कांग्रेस नेता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट को डिलीट कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत रॉय ने कांग्रेस नेता समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने बिल्कुल ठीक कहा है। रोहित को तो टीम में होना ही नहीं चाहिए। मांडविया ने इस विवाद पर अपनी राय रखते हुए एक्स पर लिखा था, 'कांग्रेस और टीएमसी को खिलाड़ियों को अकेला छोड़ देना चाहिए क्योंकि वे लोग अपने निजी जीवन को संभालने में सक्षम हैं। इस तरह की टिप्पणियां हमारे खिलाड़ियों द्वारा वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए की जाने वाली कड़ी मेहनत और त्याग को कमजोर करती हैं। इन पार्टियों के नेताओं द्वारा खिलाड़ी के शरीर को लेकर की गई टिप्पणी और टीम में जगह को लेकर उठाए गए सवाल न केवल बेहद शर्मनाक है बल्कि पूरी तरह से दयनीय भी है।

हर वर्ग के सुझाव को 'विकसित दिल्ली बजट' में शामिल करेगी सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि आगामी बजट में महिलाओं के आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सेवा का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, प्रदूषण को कम करना, रोजगार, शिक्षा की बेहतर व्यवस्था और गरीबों को सस्ता पौष्टिक भोजन, वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण, यमुना नदी की सफाई, कल्याणकारी योजना को जारी रखने पर फोकस रखा गया है।

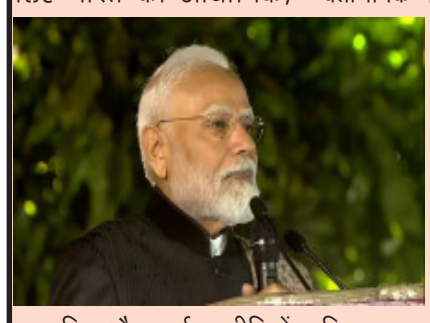

एक्शन मोड में आई दिल्ली सरकार ने बजट 2025-26 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा सरकार विकसित दिल्ली बजट 24 से 26 मार्च के बीच विधानसभा में पेश करेगी। जनता की भागीदारी से विकसित दिल्ली बजट की रूपरेखा को तैयार किया जाएगा। सभी वर्ग व हितधारकों से इसके लिए सुझाव लिया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके लिए व्हॉट्सएप नंबर 9099962025 और ई-मेल आईडी न्वेूत्प्लु-25ूप्ा ुदन्.ग्ह जारी किया है। इस माध्यम से दिल्ली के लोग सरकार को सुझाव भेज सकते हैं। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री और विधायक ग्रामीणों, किसानों, युवाओं, झुग्गीवासियों और नौकरीपेशा लोगों से संवाद करेंगे। उनके सुझाव बजट में शामिल करेंगे। यह बजट दिल्ली की जनता को कई बड़ी सौगात भी देने वाला होगा। रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में बताया कि दिल्लीवालों ने इस बार भाजपा को जिताकर यह मौका दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जन आकांक्षाओं की पूर्ति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण व सर्वांगीण विकास के लिए सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 मार्च से शुरू हो रहा है, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की है। निश्चित रूप से भाजपा की सरकार दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और हम बार-बार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जिस तरह से पिछले 10-11 वर्षों में दिल्ली का विकास अवरुद्ध हुआ है, उसे एक निश्चिंत दृष्टिकोण के साथ फिर से पटरी पर लाना बहुत जरूरी है। वीरेंद्र सचदेवा ने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी पूरी सरकार ने इस मामले में बहुत गंभीरता से सोचा है। पिछले 7-8 दिनों में ही योजना बनाकर, मीटिंग करके अपना काम शुरू कर दिया है। यह तय है कि यह बजट दिल्ली के लोगों के लिए होगा। दिल्ली में 'आम जनता' की सरकार है इसलिए आम जनता की राय लेने के बाद ही हम एक ऐसा बजट पेश करेंगे जो जनता के लिए होगा और दिल्ली के विकास की गाथा निकलेगा।

बजट बाद के वेबिनार में शामिल होंगे पीएम मोदी; एमएसएमई, निर्यात और नियामक सुधारों पर होगी चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यह वेबिनार सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार विशेषज्ञों के लिए भारत की औद्योगिक, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विषयों पर केंद्रित होंगे। पीएम मोदी इन कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे।पीएमओ ने बताया कि यह वेबिनार सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार विशेषज्ञों के लिए भारत की औद्योगिक, व्यापारिक और ऊर्जा रणनीतियों पर चर्चा का मंच प्रदान करेंगे। इनमें बजट में घोषित योजनाओं के

व्यापारिक और ऊर्जा रणनीतियों पर चर्चा का मंच प्रदान करेंगे। इनमें बजट में घोषित योजनाओं के क्रियान्वयन, निवेश सुविधा और तकनीकी अपनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह 12:30 बजे तीन बजट के बाद होने वाले वेबिनार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह वेबिनार एमएसएमई को विकास का इंजन, निर्माण, निर्यात एवं परमाणु ऊर्जा मिशन और नियामक सुधार, निवेश व क्रियान्वयन, निवेश सुविधा और तकनीकी अपनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ मिलकर बजट के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने की दिशा में रणनीति तैयार की जाएगी। इन चर्चाओं का उद्देश्य बजट के परिवर्तनकारी प्रावधानों को धरातल पर उतारने के लिए हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाना है। यह पहल देश में नीतिगत सुधारों और आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वाहन पुराना लाने पर पेट्रोल पंप पर बज उठेगा स्पीकर, एआई कैमरों से होगी पुराने वाहनों की पहचा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जिस तरह से पहले वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने पर एआई कैमरों से वाहन की नंबर

प्लेट की तस्वीर लेकर उसकी पहचान की जाती थी। उसी तरह से दिल्ली में पुराने वाहन की पहचान होगी। ये एआई कैमरे वाहन पोर्टल से जुड़े होंगे एक अप्रैल से 10 और 15 साल की उम्र सीमा पूरी कर चुके वाहनों को डीजल-पेट्रोल न देने को लेकर पेट्रोल पंपों पर तैयारियां अंतिम चरण में है। इसके लिए पेट्रोल पंप पर हाईटेक तकनीक वाले उपकरण लगाए जा रहे हैं। एआई कैमरों से वाहनों के पुराने होने की पहचान की जाएगी। वाहन के पुराना होने पर लाउडस्पीकर से स्वचालित घोषणा होगी और वाहन मालिकों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने कहा कि प्रदूषण की रोकथाम में दिल्ली के पेट्रोल पंप मालिक भी सरकार के साथ हैं। 80 फीसदी पेट्रोल पंप पर उपकरण लग चुके हैं। कुछ दिनों में बाकी पेट्रोल पंप पर भी काम पूरा हो जाएगा। जिस तरह से पहले वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने पर एआई कैमरों से वाहन की नंबर प्लेट की तस्वीर लेकर उसकी पहचान की जाती थी। उसी तरह से पुराने वाहन की पहचान होगी। ये एआई कैमरे वाहन पोर्टल से जुड़े होंगे। जो वाहन के प्रदूषण प्रमाण पत्र, वाहन के पुराना होने या नहीं और बीमा के संबंध में जानकारी देंगे।उन्होंने बताया कि वाहन के पुराना होने की घोषणा के लिए पेट्रोल पंप पर स्पीकर भी लगाए गए हैं जो स्वचालित घोषणा करेंगे। इसके लिए पहले एआई कैमरे से वाहन के पुराना होने का एलर्ट मिलेगा जो पेट्रोल पंप लगे डैशबोर्ड पर फ्लैश होगा फिर स्पीकर से वाहन पुराना होने की घोषणा होने लगेगी।

द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए आज ब्रिटेन रवाना होंगे जयशंकर, मुक्त व्यापार समझौते पर हो सकती है वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर आज ब्रिटेन के दौरे पर रवाना होंगे। उनकी यह यात्रा तब हो रही है जब भारत और ब्रिटेन के बीच रुकी हुई एफटीए वार्ता फिर से शुरू हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ावा देने के लिए मंगलवार से ब्रिटेन और आयरलैंड की छह दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। जयशंकर सबसे पहले लंदन जाएंगे और अपने ब्रितानी समकक्ष डेविड लैमी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जयंशकर और लैमी की यह मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच तीखी नोकझोंक की पृष्ठभूमि में होगी। जानकारों की मानें तो इस दौरान भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा होने की उम्मीद है। पिछले महीने के अंत में भारत और ब्रिटेन ने ब्रिटिश व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स की नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रस्तावित सौदे पर बातचीत फिर से शुरू की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत

और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। यह रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में मजबूत हुई है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान सोमवार को चार दिनी दौरे पर ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए। यहां वह ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष सैन्य अफसरों से मिलेंगे व हिंद-प्रशांत समेत द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों पर चर्चा करेंगे। यात्रा के दौरान वह ऑस्ट्रेलियाई सशस्त्र बलों के कई सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। रक्षा मंत्रालय नें कहा यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को रेखांकित करती है, जो रणनीतिक साझेदारी के तहत राजनयिक-सैन्य सहयोग को मजबूत करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल पहले से तय कार्यक्रमों को रद्द कर सोमवार को अचानक अमेरिका रवाना हो गए। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही हफ्तों में भारत समेत कई देशों पर पारस्परिक टैक्स लगाने की घोषणा कर सकते हैं। गोयल यहां ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अफसरों से मिलेंगे। इस दौरान व्यापार समझौते पर चर्चा हो सकती है, जबकि नए टैरिफ लागू होने की समय सीमा भी नजदीक है। अमेरिका ने पहले ही चीन, कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगा दिए हैं, लेकिन अब तक भारत इससे बचा हुआ है। हालांकि, 2 अप्रैल से अमेरिका भारत पर भी टैरिफ लागू करने की योजना बना रहा है।

आपसी रंजिश में दो गुटों में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग, पांच लोग घायल; पुलिस कर रही तफ्तीश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में आपसी रंजिश में जमकर फायरिंग हुई। इस घटना जिसमें पांच व्यक्ति घायल हो गए थे। सभी घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपराध टीम और एफएसएल टीम

में पांच लोग घायल हो गए हैं। ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 3 मार्च को लगभग 9 बजे पुलिस थाना ज्योति नगर में फायरिंग की घटना की सूचना मिली। जिसमें फोन करने वाले ने बताया कि उसके बेटे को अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मार दी है।जब पुलिस टीम मीत नगर के एसओसी यानी शक्ति ग्रेडन, गली नंबर 1 पर पहुंची तो पुलिस टीम ने देखा कि दो गुटों के बीच फायरिंग हुई थी। को निरीक्षण के लिए अपराध स्थल पर बुलाया गया। टीमों द्वारा कुछ खाली कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस थाना ज्योति नगर में मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। फायरिंग में शामिल व्यक्ति की पहचान, पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए तकनीकी और मैनुअल इनपुट एकत्र करने के लिए टीमों का गठन किया गया है।

एआई तकनीक वाले यूटीएएम सिस्टम से लैस हुआ एयरपोर्ट, विमानों की लेटलतीफी पर लगेगा ब्रेक; कैसे होगा मददगार साबित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यूटीएएम के माध्यम से एयरपोर्ट के विभिन्न सोर्स से रियल-टाइम डाटा इकट्ठा कर विमानों के मूवमेंट, ग्राउंड सर्विस इक्विपमेंट (जीएसई) और साइड ऑपरेशन को सुरक्षित और बेहतर बनाने के इरादे से एयरपोर्ट को इस सिस्टम से लैस किया है।यूटीएएम के माध्यम से एयरपोर्ट के विभिन्न सोर्स से रियल-टाइम डाटा इकट्ठा कर विमानों के मूवमेंट, ग्राउंड सर्विस इक्विपमेंट (जीएसई) और एयरसाइड व्हीकल की गतिविधियों को मॉनिटर किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करने वाला यह

एयरसाइड व्हीकल की गतिविधियों को मॉनिटर किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करने वाला यह स्मार्ट सिस्टम काम करेगा। यूनिफाइड टोटल एयरसाइड मैनेजमेंट (यूटीएएम) सिस्टम से अब दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानों को मॉनिटर किया जाएगा। विमानों के बेहतर संचालन में यह सिस्टम मददगार साबित होगा। इससे विमानों की लेटलतीफी को कम किया जाएगा। एयरपोर्ट संचालित करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने इसे एयर स्मार्ट सिस्टम काम करेगा।साथ ही किसी तरह की कोई समस्या होने पर पहले ही अलर्ट भेज देगा। एआई के साथ ही मशीन लर्निंग (एमएल), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और रडार सिस्टम जैसे अत्याधुनिक तकनीकों से इस सिस्टम को जोड़ा गया है। इससे विमानों का संचालन बेहतर और सुरक्षित हो सके।जियोफेंस एरिया में ग्राउंड सर्विस इक्विपमेंट के इन-आउट टाइम को ट्रैक करके ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियों को मॉनिटर करेगा।

सरपंच देशमुख से की गई थी मारपीट, 15 वीडियो और आठ फोटो सामने आए, चार्जशीट में बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीड के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में दाखिल चार्जशीट में पुलिस ने कहा कि संतोष देशमुख को प्रताड़ित किए जाने के दौरान आरोपियों ने 15 वीडियो रिकॉर्ड किए और आठ तस्वीरें खींची थीं। इसके अलावा दो बार वीडियो कॉल भी की गई। वीडियो आरोपी महेश केदार के स्मार्टफोन पर शूट किए गए थे। महाराष्ट्र के बीड के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। चार्जशीट में पुलिस ने कहा कि सरपंच संतोष देशमुख को प्रताड़ित किए जाने के दौरान आरोपियों ने 15 वीडियो रिकॉर्ड किए और आठ तस्वीरें खींची थीं। इसके अलावा दो बार वीडियो कॉल भी की गई। ये वीडियो और फोटो पिछले सप्ताह बीड की एक अदालत में सीआईडी ने भी अपने आरोपपत्र के साथ दाखिल की थीं। पुलिस ने चार्जशीट में कहा है कि वीडियो आरोपी महेश केदार के स्मार्टफोन पर शूट किए गए थे। यह वीडियो 2 सेकेंड से 2.04 मिनट तक हैं। प्रधान को नौ दिसंबर को दोनगांव टोल प्लाजा से छह लोगों ने अगवा कर लिया। इसके बाद उनको एक एसयूवी में केज तालुका की ओर

ले जाया गया। उनके पीछे एक सिल्वर रंग की कार भी थी। इससे पहले प्रधान देशमुख को दोपहर 3.30 बजे से शाम छह बजे तक 41 इंच लंबे गैस पाइप, काले धागे वाले हैंडल, सफेद पाइप, पांच लोहे की रॉड, लकड़ी के डंडे और फाइटर और धरकट्टी से पीटा गया था। चार्जशीट में कहा गया है कि एक वीडियो में सुदर्शन घुले समेत पांच आरोपी प्रधान संतोष देशमुख को पीटते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में प्रधान संतोष देशमुख अर्धनग्न हालत में नजर आ रहे हैं। उनको जमीन पर बैठने के लिए मजबूर किया गया है। वहीं एक दूसरे वीडियो में आरोपी सुदर्शन घुले प्रधान संतोष देशमुख को यह नारा लगाने के लिए मजबूर कर रहे हैं कि सुदर्शन घुले सभी के पिता हैं। चार्जशीट में कहा गया एक आरोपी ने सरपंच पर पेशाब भी की। सरपंच के शरीर से खून बहता नजर आ रहा है। चार्जशीट के मुताबिक जब देशमुख को प्रताड़ित किया जा रहा था, तब फरार आरोपी कृष्णा अंधाले ने अपने मोबाइल फोन से दो व्हाट्सएप वीडियो कॉल किए। इसमें पहला कॉल शाम 5.14 बजे और दूसरा कॉल 5.26 बजे किया गया। पुलिस ने कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम साझा नहीं किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक सफेद पाइप के 15 टूटे हुए टुकड़े बरामद किए। जांच के दौरान सीआईडी ने पाया कि आरोपी सुदर्शन घुले मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले में एक गिरोह चलाता है। गिरोह पर 11 गंभीर मामले दर्ज हैं। वह बीड जिले के केज, अंबाजोगाई, धारुर इलाकों और निकटवर्ती धाराशिव जिले के कलंब में सक्रिय है। आरोपी घुले, वाल्मिक कराड और विष्णु चाटे सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से पहले और बाद में संपर्क में थे। चार्जशीट में कहा गया कि आरोपी सुदर्शन घुले ने 28 मई 2024 को एक ऊर्जा कंपनी के प्रोजेक्ट अधिकारी सुनील शिंदे को भी जबरन वसूली के लिए अगवा किया था। मामले में केज थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ एंड सोशल साइंस में छात्र एवं छात्राओं को इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ एंड सोशल साइंस में आज छात्र एवं छात्राओं को इंटर्नशिप का सर्टिफिकेट(प्रमाण पत्र) वितरण किया गया है यह इंटर्नशिप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज में किया गया था माननीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार गौतम ने छात्र एवं छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है इन सभी छात्र एवं छात्राओं को सर्टिफिकेट कॉलेज के प्रिंसिपल अजीत सिंह के द्वारा प्रदान किया गया है कॉलेज के प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, प्रज्ञा श्रीवास्तव के द्वारा प्रदान किया गया है और कॉलेज के द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना की है इस मौके पर कॉलेज के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे और पूरा स्टाफ भी मौजूद था।

एएसआई ने वहां का निरीक्षण किया, जहां पुताई की जरूरत नहीं', संभल मामले में मस्जिद पक्ष ने दाखिल की आपत्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जामा मस्जिद पुताई मामले की सुनवाई हुई। एएसआई की रिपोर्ट के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने आपत्ति दाखिल की है। कहा कि एएसआई ने वहां-वहां का निरीक्षण किया, जहां पर पुताई की जरूरत नहीं थी। उन स्थानों को रिपोर्ट में शामिल नहीं किया जहां पर पुताई की जरूरत थी। मस्जिद में पिछले 100 वर्षों से रंगाई पुताई होती रही है। एएसआई ने कभी भी इस पर आपत्ति नहीं की। एएसआई ने मस्जिद कमेटी के आपत्ति पर जवाब दाखिल करने के लिया समय मांगा है। एएसआई के वकील ने कहा कि मस्जिद की पेंटिंग की जरूरत नहीं दिखी है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने पक्षों को सुनने के बाद सुनवाई के लिए 10 मार्च की तिथि नियत की है। एएसआई की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मस्जिद में अभी रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है।

छह मार्च को चंद्रमा के सबसे नजदीक होगा बृहस्पति ग्रह, जानिए और क्या-क्या होगा खास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सूर्य, कुंभ राशि में है। अपने मार्ग पर गति करता हुआ 13 मार्च को मीन राशि में प्रवेश करेगा। इससे पूर्व चंद्रमा के निकट बृहस्पति पहुंच चुका है। छह मार्च को चंद्रमा के सबसे नजदीक बृहस्पति ग्रह रहेगा। ऐसे में इस दिन से ही पृथ्वी का ताप भी बढ़ने लगेगा। प्रत्येक माह में कोई न कोई ग्रह का आपस में तालमेल बैठता है, जिसका असर राशियों पर पड़ता है। इस बात का ध्यान ग्रह भी करा रहे हैं। सूर्य, कुंभ राशि में है। अपने मार्ग पर गति करता हुआ 13 मार्च को मीन राशि में प्रवेश करेगा। इससे पूर्व चंद्रमा के निकट बृहस्पति पहुंच चुका है। यह अधिकांश एक सीध में है। आसमान साफ होने पर इसे बिना टेलीस्कोप के भी देखा जा सकता है। सबसे छोटा ग्रह बुध व सबसे चमकीला ग्रह शुक्र मीन राशि में है। माह के शुरुआत में सूर्यास्त के बाद पश्चिम दिशा में देखा जा सकता है। लाल ग्रह मंगल, मिथुन राशि में है, मध्यरात्रि 2:30 बजे अस्त हो रहा है। सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति वृष राशि में है, रात्रि 12: 00 बजे अस्त हो रहा है। इसी क्रम में वलयाकार शनि ग्रह कुंभ राशि में है। अपने अस्त होने से पूर्व यह देखा जा सकते है। अलग-अलग क्षेत्रों में देखने पर अलग-अलग स्थितियां नजर आएंगी। महीने के अंतिम दिनों में सूर्योदय से पहले पूर्व में दिखाई देगा। तारामंडल की विज्ञानी सुरूर फातिमा ने बताया कि एक मार्च को चंद्रमा, शुक्र और बुध ग्रह के निकट था। छह मार्च को बृहस्पति ग्रह चंद्रमा के निकट रहेगा। नौ मार्च को मंगल के अधिक निकट होगा। 14 मार्च को पूर्णिमा, 20 मार्च को वसंत विषुव यानी दिन व रात बराबर रहेगा। 28 मार्च को अमावस्या होगी। उन्होंने बताया कि उत्तर दिशा में हम 'ध्रुव' तारे को पश्चिम में शर्मिष्ठा तारामंडल या उत्तर-पूर्व में सप्तर्षि के सूचक से पहचान सकते हैं। राशि चक्र सूर्य के काल्पनिक पथ पर स्थित है, जिसे आयनिकवृत्त के नाम से जानते हैं। आकाश में मीन, मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क और सिंह राशि को देख सकते हैं। साथ ही आकाश में कृत्तिका, रोहणी, बह्महृदय, पुनर्वसु, मघा, चित्रा, काक्षी, राजन्य, व्याध, प्रश्वा, अगस्त्य और स्वाति चमकीले तारें देख सकते हैं। आकाश में दिखाई देने वाली धुंधली पट्टी हमारी आकाशगंगा है।

महाकुंभ में खूब महकी हाथरस की हींग, छाई रही बागपत की चादर; प्रयागराज में दुनिया ने देखी यूपी की कला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। संगम पर डेढ़ माह तक आयोजित महाकुंभ ने न सिर्फ लाखों लोगों को रोजगार का अवसर देकर कमाई से उनकी झोली भरी, बल्कि उत्तर प्रदेश की कला-कारीगरी को भी विश्व के सामने बखूबी रखा। यहां के प्रसिद्ध उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी में हर जिले के उत्कृष्ट उत्पाद रखे गए थे। प्रदर्शनी में 12,89,29,360 रुपये के उत्पाद 45 दिनों में बिक गए। प्रयागराज का मूंज शिल्प, प्रतापगढ़ का आंवला, मुरादाबाद की पीतल कारीगरी, हाथरस की हींग, बागपत की चादर, अलीगढ़ का मेटल क्राफ्ट, मीरजापुर व भदोही की कालीनें, मऊ की साड़ियां, मथुरा के ठाकुर जी के पोशाक, चित्रकूट के खिलौने जैसे अनगिनत उत्पादों ने देश के विभिन्न राज्यों और विदेश से आए लोगों को आकर्षित किया। महाकुंभ में ओडीओपी प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादों से संबंधित 142 स्टाल लगे। प्रयागराज के मूंज से बनी टोकरी, डलिया, दीवारों पर सजावट व अन्य सजावटी वस्तुएं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं। प्रतापगढ़ के आंवला उत्पाद जैसे मुरब्बा, कैंडी, जूस आदि ने भी लोगों का दिल जीता।मुरादाबाद की पीतल की मूर्तियां, दीपक, पूजन सामग्री और सजावटी वस्तुओं को विदेशी पर्यटकों ने विशेषकर पसंद किया। मऊ की साड़ियों की पारंपरिक और आधुनिक डिजाइन ने महिलाओं को लुभाया तो मथुरा के ठाकुर जी की पोशाक और श्रृंगार सामग्री को भक्तों ने श्रद्धा के साथ खरीदा। चित्रकूट के लकड़ी व मिट्टी के पारंपरिक खिलौने भी खूब बिके। अलीगढ़ के मेटल क्राफ्ट दरवाजों की कुंडियां, ताले, मूर्तियां और अन्य कलात्मक वस्तुएं काफी पसंद की गईं।हाथरस की हींग की सुगंध से 45 दिन तक पूरा पंडाल महकता रहा। स्थानीय उत्पादकों ने शुद्ध हींग को छोटे और बड़े पैक में पेश किया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। 21 लाख से अधिक की हींग स्टाल से बिकी।

हाईकोर्ट ने अनचाहे गर्भ को समाप्त करने का आदेश दिया, भ्रूण के ऊतक बतौर साक्ष्य संरक्षित करने को कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि युवती यौन उत्पीड़न का शिकार होने के कारण गर्भवती हुई है। मामले की एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। लोक-लाज के कारण पीड़िता अनचाहे गर्भ से मुक्ति पाना चाहती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएमओ कानपुर नगर को यौन उत्पीड़न की शिकार युवती के अनचाहे गर्भ को तीन दिन में समाप्त कर भ्रूण के ऊतक व रक्त के नमूने को बतौर साक्ष्य संरक्षित करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डी. रमेश की अदालत ने कानपुर की एक पीड़िता की ओर से दाखिल याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि युवती यौन उत्पीड़न का शिकार होने के कारण गर्भवती हुई है। मामले की एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। लोक-लाज के कारण पीड़िता अनचाहे गर्भ से मुक्ति पाना चाहती है। सीएमओ कानपुर नगर के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया था। लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं हुई। लिहाजा, पीड़िता को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।इससे पहले कोर्ट ने सीएमओ से मेडिकल बोर्ड गठित कर रिपोर्ट तलब की थी। पेश हुई रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता 15 सप्ताह और 2 दिन की गर्भावस्था में थी। सरकार की ओर से पेश स्थायी अधिवक्ता ने शासनादेश का हवाला दे बताया कि यौन उत्पीड़न के मामले में 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों व सरकार के शासनादेशों के आलोक में तीन दिन में पीड़िता का भ्रूण समाप्त करने व भ्रूण के ऊतक (कोशिकाओं के समूह) व रक्त को आपराधिक मुकदमे के लिए बतौर साक्ष्य संरक्षित रखने का आदेश देते हुए याचिका निस्तारित कर दी।

अफसर तक करते थे इंतजार, अब श्रद्धालुओं की ताक रहे राह; महाकुंभ समापन के बाद अधिकतर घाटों पर सन्नाटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर नाविकों ने मनमानी वसूली की। संगम स्नान के लिए श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति एक हजार से लेकर पांच हजार तक रुपये वसूले गए, जबकि अधिकतम किराया 150 रुपये तक था लेकिन महाकुंभ संपन्न होने के बाद अब स्थिति उलट है। नाविक अब श्रद्धालुओं की बाट जोहते नजर आ रहे हैं। महाकुंभ मेले के दौरान जहां नावों के लिए मारामारी मची थी। नाविकों की ओर से निर्धारित दरों से 10 गुना अधिक कीमत वसूली जा रही थी। इसके बावजूद आमजन से लेकर अफसर तक कतार में लगे थे, लेकिन महाकुंभ संपन्न होने के बाद अब स्थिति उलट है। शुक्रवार को जब संवाददाता ने इसका जायजा लिया तो हजारों की संख्या में नाव और नाविक कतार में थे और श्रद्धालुओं की बाट जोहते नजर आए। बोट क्लब ही नहीं, सरस्वती घाट, वीआईपी घाट, अक्षयवट, मेला मैदान, शंख बेनी सहित अधिकतर घाटों पर यही हालात नजर आए। दरअसल, महाकुंभ में करीब 10 हजार प्राइवेट और 860 सरकारी नावों का पंजीकरण किया गया था, जिसके माध्यम से श्रद्धालु संगम स्नान कर सकें। मेला प्रशासन की ओर से नावों के लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया था, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर नाविकों ने मनमानी वसूली की। संगम स्नान के लिए श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति एक हजार से लेकर पांच हजार तक रुपये वसूले गए, जबकि अधिकतम किराया 150 रुपये तक था। इस दौरान शिकायतों के बाद भी पुलिस और मेला प्रशासन के अधिकारी बेबस और लाचार बने रहे। नाविकों के लिए निर्धारित दर पर गौर करें तो बलुआ घाट से संगम 150 रुपये, गऊ घाट से संगम 120, इमली घाट से संगम 115, मिटों पार्क घाट से संगम 115, मनकामेश्वर से संगम 115, सरस्वती घाट से संगम 115, किला घाट से संगम 90, अरैल घाट से संगम 75, मेला मैदान से संगम 75, सोमेश्वर घाट से संगम 60, गंगा, यमुना पार से संगम 60, शंख बेनी घाट से संगम 60, रामघाट झूंसी से संगम 55 और राजघाट से संगम 55 रुपये किराया तय किया गया था।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

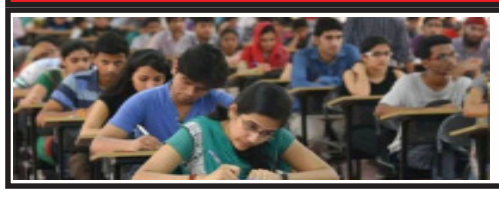

प्रदेश आस/पास भारत

डीएम-एसपी ने जिला अस्पताल पहुचकर सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों का जाना हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने थाना लालगंज अन्तर्गत ग्राम बरस में ऑटो व डम्फर में टक्कर की दुखद सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की तथा घायल मरीजों का हाल जानने के लिए जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। दुर्घटना में घायल लोगों को उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। निरीक्षण के दौरान घायलों के स्थिति की जानकारी ली गई तथा उपचार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए इलाज करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 प्रदीप अग्रवाल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति/ शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत सस्पेंड डाटा का परीक्षण कर साक्ष्य सहित आख्या कराए उपलब्ध : मोहन त्रिपाठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने समस्त प्राचार्य/निदेशक महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थान से कहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्य पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12 को छोड़कर) के छात्र/छात्राओ द्वारा छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया है। छात्र/छात्राओं के ऑनलाइन आवेदन पत्रों का विभिन्न बिन्दुओ पर परीक्षण स्टेट एन0आई0सी0 एवं खाते का पी0एफ0एम0एस0 सॉफ्टवेयर द्वारा किया गया। परीक्षण के उपरान्त सन्देहास्पद डाटा जनपद की लॉगिन पर प्राप्त हुआ है। जो संस्थाओं का उपलब्ध कराया जा चुका है। सस्पेक्ट के कारणों पर सम्बन्धित विद्यालयों द्वारा डाटा का परीक्षण कर साक्ष्य सहित आख्या स्पष्ट संस्तुति के साथ इस कार्यालय को तीन दिवस में उपलब्ध कराया जाना था। लेकिन अभी भी कतिपय संस्थाओं द्वारा सस्पेक्ट डाटा से संबंधित आख्या कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराया गया है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने कहा है कि सस्पेक्ट डाटा का परीक्षण कर स्पष्ट संस्तुति के साथ साक्ष्य सहित आख्या जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय को 04 मार्च 2025 की सायं 04:00 बजे से पूर्व तक उपलब्ध कराये। ताकि प्राप्त आख्या एवं साक्ष्य के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा है कि यदि उक्त नियत तिथि तक आपकी संस्था से सस्पेक्ट डाटा से संबंधित आख्या प्राप्त नहीं होती है तो आपकी संस्था का सन्देहास्पद डाटा निरस्त कर दिया जाएगा। जिसके संपूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित संस्था का होगा।

पद्मश्री गोदावरी सिंह का निधन, काशी में शोक की लहर, लकड़ी खिलौना के भीष्म पितामह कहे जाते थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। दुनियां में अपनी खास पहचान रखने वाले लकड़ी के खिलौने वाले भीष्म पितामह पद्मश्री

गोदावरी सिंह के निधन से काशी में शोक की लहर है। सभी की आंख नम है और लोग उन्हें श्रद्धांजली दे रहे हैं।काशी का कश्मीरीगंज मुहल्ला जहां कभी लकड़ी के खिलौना बनाने की आवाज कानो में असह्य ध्वनि उत्पन्न करती थी आज वहां सन्नाटा है। लकड़ी के शिल्पकार गोदावरी सिंह नहीं रहे। ये सूचना पाकर सभी दुःखी दिखाई दे रहे थे।जानकारी के अनुसार पिछले कई दिनों से ये बीमार चल रहे थे और कश्मीरीगंज आवास पर ही इन्होंने अंतिम सांस ली। बताते चलें कि लकड़ी के खिलौने को इन गलियों से उठाकर देश और विदेश के कोने कोने तक इन्होने पहुंचाया पूरी काशी इनके निधन से गमगीन है।

200 मीटर आगे पहुंचे इंजन सहित छह कोच, 15 रह गए पीछे; बड़ा हादसा टला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। नंदन कानन एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय शाम 06.25 बजे से तीन घंटे की देरी से पीडीडीयू जंक्शन पहुंची। रात साढ़े नौ बजे ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या एक से गया के लिए रवाना हुई। इसी दौरान ट्रेन के स्लीपर कोच संख्या एस 4 की कपलिंग टूट गई। इससे इंजन सहित छह कोच दो सौ मीटर आगे बढ़ गए जबकि एसी कोच, गार्ड बोगी सहित 15 कोच पीछे रह गए। आनंद विहार से पुरी जा रही डाउन नंदन कानन एक्सप्रेस ट्रेन पीडीडीयू जंक्शन के आगे दो भागों में बंट गई। सोमवार की रात यह घटना हुई। ट्रेन की गति धीमी होने के कारण बड़ा हादसा बच गया। ट्रेन को वापस पीडीडीयू जंक्शन लाया गया। इसके बाद टूटे कपलिंग वाले कोच को काटकर अलग कर रात साढ़े बारह बजे ट्रेन को रवाना किया गया। नंदन कानन एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय शाम 06.25 बजे से तीन घंटे की देरी से पीडीडीयू जंक्शन पहुंची। रात साढ़े नौ बजे ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या एक से गया के लिए रवाना हुई। ट्रेन स्टेशन से लगभग छह किमी दूर जंक्शन हट के पास पहुंची थी, तभी ट्रेन के स्लीपर कोच संख्या एस 4 की कपलिंग टूट गई। इससे इंजन सहित छह कोच दो सौ मीटर आगे बढ़ गए जबकि एसी कोच, गार्ड बोगी सहित 15 कोच पीछे रह गए।ट्रेन दो हिस्से में बंटने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन मैनेजर की सूचना पर चालक ने ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना कंट्रोल को दी। ट्रेन दो भाग में बंटने की सूचना से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। स्टेशन अधीक्षक एसके सिंह ने बताया कि कपलिंग टूटने के कारण ट्रेन दो हिस्सों में बंटी थी।

सीबीआई का छापा, नौ लोको पायलट पकड़े गए, मैरिज लॉन पर कार्रवाई से हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। कालीमहाल स्थित मैरिज लॉन में सीबीआई के छापे से हड़कंप मच गया। देर रात सीबीआई की टीम पहुची और नौ लोको पायलट को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के कालीमहाल स्थित राज मैरिज लॉन में सोमवार की देर रात सीबीआई की टीम ने छापा मारकर नौ लोको पायलट को पकड़ लिया। सूत्रों के अनुसार, ये सभी प्रमोशन की परीक्षा के लिए लॉन में ठहरे हुए थे। इन लोगों को पीडीडीयू नगर रेलवे में तैनात एक कर्मचारी ने ठहराया था।आरोप है कि परीक्षा पास कराने के नाम पर लोको पायलट से लाखों रुपये वसूले गए थे और प्रमोशन के पेपर भी उपलब्ध करा दिए गए थे। फिलहाल, सीबीआई की टीम सभी को मुगलसराय कोतवाली लेकर गई है और उनसे पूछताछ कर रही है। रेलवे के सूत्रों के अनुसार, लोको पायलट से इंस्ट्रक्टर लोको पायलट की प्रमोशन परीक्षा तीन दिन बाद पीडीडीयू नगर में होनी है।सोमवार की देर रात पांच बाइकों से सीबीआई की टीम के 10 सदस्य राज मैरिज लॉन पहुंचे। इसके बाद लॉन में ठहरे सभी लोको पायलट को धर दबोचा। छापे से पहले कोतवाली पुलिस और पीएसी बुलाई गई ताकि किसी तरह के विवाद से बचा जा सके। इस मामले में पुलिस-प्रशासनिक और रेलवे के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। सीबीआई की टीम पकड़े गए लोगों से कोतवाली में पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि गड़बड़ी की पुष्टि के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

चेतगंज में एंटी करप्शन का छापा, सेल टैक्स विभाग के बाबू को 10000 रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। एंटी करप्शन की टीम की वाराणसी यूनिट ने दस हजार रूपये घूस लेते गिरफ्तार किया गया। वाणिज्य कर विभाग के सेक्टर नंबर-8 के अमीन को पकड़ा गया। चेतगंज स्थित वाणिज्य कर विभाग के सेक्टर नंबर-8 के अमीन सिकंदर को एंटी करप्शन की वाराणसी यूनिट ने 10 हजार रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से विभागीय खलबली देखने को मिली। जैसे ही टीम ने छापा मारा अफरा तफरी मच गई । कार्रवाई के बाद अब पकड़े गए सरकारी कर्मचारी से पूछताछ की जा रही है।

परीक्षा देने जा रही छात्रा को स्कूली बस ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल, अफरा-तफरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सुबह सवेरे सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई और दो लोग बुरी तरह घायल हो गए बस के भीषण टक्कर में एक की मौत हो गई तथा दो बुरी तरह घायल हो गये। सूचना मिलते ही घोसी थानाध्यक्ष मौके पर पहुंच कर

फायलों को एम्बुलेंस से मऊ जिला अस्पताल भेजा। मृतक कपाड़ियाडीह निवासी 19 वर्षीय निशांत कुमार है। घायलों में 17 वर्षीय चांदनी व 20 वर्षीय रोशनी हैं। यह बाइक से परीक्षा देने जा रहीं थी। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर मौजूद लोग आवाक हो गए। आनन फानन में घायलों को अस्पताल ले जाया गया दो का इलाज जारी है एक को मृत घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि घायल छात्रा परीक्षा देने जा रही थी।घोसी कोतवाली क्षेत्र के मुहम्मदपुर हसनपुर में मोटरसाइकिल व स्कूल

सब इंस्पेक्टर महेंद्र यादव नपे, डीसीपी का आदेश, अपना दल (एस) कार्यकर्ता से रसूख पड़ा भारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। अपना दल (एस) के कार्यकर्ता से अनावश्यक बहस कर अभद्रता करना दरोगा जी को भारी पड़ा। डीसीपी काशी जोन ने निलंबन का आदेश दिया। चितईपुर थाने में मुकदमा दर्ज करने को लेकर अपना दल (एस) के कार्यकर्ता के साथ अनावश्यक बहस करने और अभद्रता के आरोप में सब इंस्पेक्टर महेंद्र यादव को डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने निलंबित किया। इसके अलावा उन्होंने चौकी इंचार्ज सुंदरपुर विकास पांडेय को भी हटा दिया है।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार देकर हम समाज एवं राष्ट्र की नींव मजबूत कर सकते हैं-आरपी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा सोनभद्र। दिशिता महिला मंडल रेनुसागर के अध्यक्षा इंदु सिंह के मार्गदर्शन में दिशिता महिला मंडल रेनुसागर द्वारा संचालित

दिशिता बाल मन्दिर के द्वाराठ कलर ऑफ लाइफठ थीम पर आधारित बीते एक मार्च को रेनुसागर प्रेक्षागृह में इ्वार्षिकोत्सवइ धूमधाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर.पी.सिंह एवं दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा इन्दू सिंह ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।तत्पश्चात मुख्य अतिथि यूनिट हेड आरपी सिंह अपने सम्बोधन में कहा कि नन्हे मुन्हे बच्चों के अनुकरणीय प्रतिभा के प्रदर्शन में जो आत्मविश्वास है वह अपने आप में एक विशिष्ट उपलब्धि है। निश्चित ही विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को बेहतरीन तालीम दी है और इनका भरपूर विकास किया जा रहा है,जो सराहनीय है।मुख्य अतिथि ने सम्बोधन में कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार देकर हम समाज एवं राष्ट्र की नींव मजबूत कर सकते हैं।इसके पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत बच्चों के द्वारा फूलों का गुलदस्ता देकर किया गया। दिशिता बाल मन्दिर की प्रबंधक सविता चौबे ने अपने स्वागत भाषण आये हुये अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रुप रेखा पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का शुरुआतइसरस्वती वन्दनाइ से किया गया। दर्शको से भरे प्रेक्षागृह के प्रांगण में दो घंटे तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में मेरा जूता है जपानीठ, गोवा नृत्य, रामायण पर आधारित नृत्य , जंगल नृत्य, मार्मिक नृत्य, कव्वाली, होली नृत्य एवं थीम नृत्य का शानदार प्रदर्शन नन्हे-मुन्हे बच्चों के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केंद्र रामायण पर आधारित नृत्य रहा।वही मार्मिक डान्स में बच्चों के साथ माताओं ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया।जिससे पूरा प्रेक्षागृह तालियों के गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वार्षिकोत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों की प्रतिभा ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया।कार्यक्रम समापन से पूर्व दिशिता बाल मंदिर की अध्यापिका सीमा मिश्रा ने दिशिता बाल मंदिर की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। इस अवसर पर इ्दिशिता महिला मण्डलइ की सम्मानित सदस्याओं ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।इस अवसर पर ऑपरेशन हेड मनीष जैन, सुभाष चौबे, अन्नामलाई सुधाकर, एस के सिंह प्रधानाचार्य एबीपीएस , रीना जैन, मेनका अरोड़ा, नूतन सिंह, चित्रा अन्नमलाई, तुलिका श्रीवास्तव, राजनी रूंगटा एवं सीमा वियाला सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन सविता सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापित शालिनी श्रीवास्तव ने किया था।

ग्रामीण जीवन ही भारत की मूल प्राण वायु -मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।धार्मिक,आध्यात्मिक,दार्शनिक विचारक, व पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ श्री हनुमन्निवास अयोध्या धाम के

पूज्य संत आचार्य श्री मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज का आगमन मंगलवार को सोनभद्र में हुआ।जहाँ ग्राम्य संस्कृति,समृद्धि एवं जीवनबोध गोष्ठी को किया सम्बोधितठ गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाराज जी ने कहा कि ग्रामीण जीवन ही भारत की मूल प्राण वायु है। ग्राम्य संस्कृति का अर्थ है जो हमे प्राप्त है उसके प्रति कृतज्ञ होना। ग्रामीण के वास्तविक संदर्भ को समझना होगा। विष्णु सहस्त्रनाम में स्वयं विष्णु जी को ग्रामणि कहा गया है। ग्राम शब्द का अर्थ ही है बाजार से रहित व्यवस्था। बाजार ने व्यक्ति से मूल्य को छीनकर एक यांत्रिक व्यवस्था में स्थापित कर दिया है। जबकि ग्राम्य संस्कृति समानुभूति आधारित सहकारिता की संस्कृति है। जिसमे बिचौलिए के लिए कोई जगह नहीं है। आज आधुनिकता के दौड़ मे नगरीय व्यवस्था में मनुष्य मूल्य रहित हो चुका है। उपरोक्त बातें हनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य श्री मिथिलेश नंदिनी शरण जी सोनभद्र में आयोजित ठग्राम्य संस्कृति, समृद्धि एवं जीवन बोधठ विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण जी ने कहा कि ग्राम्य संस्कृति में ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जिससे अपशिष्ट उत्पन्न हो। ग्रामीण संस्कृति हर चीज को पचाने मे सक्षम है। ग्राम्य संस्कृति का जीवन बोध यही है कि हम अपने सुखों को कम करते हुए, एक समावेशी जीवन शैली के आधार पर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श भविष्य प्रदान करें। बाजार आधारित संस्कृति से इतर ग्राम्य संस्कृति औरजीवन बोध के द्वाराभारत के मौलिक चेतना में वापस आना होगा। और यहाँ कार्य लोक से संवाद द्वारा व्यक्ति के स्तर पर करना होगा। इस माध्यम द्वारा ही भारत के संस्कृति एं समृद्धि का संरक्षण होगा।पूज्य ने कहाँ की महाकुंभ को सरकारी योजना कहना भारत के सनातन धर्मभाव का अपमान, मिथिलेशनन्दिनीशरण मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज ने कहा कि 60 से 70 करोड़ लोगों ने कष्ट सहकर स्नान करने महाकुंभ पहुंचे। महाकुंभ को सरकारी योजना कहना भारत के सनातन धर्मभाव का अपमान है। महाकुंभ में इतने श्रद्धालुओं को पहुंचना, यह भारत के धार्मिक भावना का प्रतिफल है कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार पारस मिश्र ने किया। मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज का आगमन रावटसगंज स्थित होटल ज्योति इंटरनेशनल मे हुआ । इसके पूर्व सुकृत, मधुपुर समेत अन्य जगहों पर भक्तों की ओर से मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज के स्वागत किया गया । होटल में आयोजित ग्राम्य संस्कृति, समृद्धि एवं जीवन बोध गोष्ठी में शामिल होने के बाद मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज विंध्य कन्या पीजी कॉलेज उरमौरा पहुंचे। यहां पर महाराज जी ने पत्रकारों से बातचीत किया , तत्पश्चात कॉलेज की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में भाग लिए । इसके बाद सोनभद्र के आध्यात्मिक, धार्मिक, पौराणिक एवं प्राकृतिक धरोहर शिवद्वार प्रभु भोलेनाथ का दर्शन कर, सोनभद्र के स्थापना दिवस पर सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम राहुल जी,हर्ष अग्रवाल जी, कीर्तन जी,पारस नाथ मिश्रा,जगदीश पंथी, प्रभात सिंह चंदेल जी, अरुणेश पांडे जी, लालजी तिवारी, अवधेश दीक्षित, दयाशंकर पांडे, धनंजय पाठक, प्रवीण पांडे, राज नारायण तिवारी,आनंद त्रिपाठी, प्रद्युम्न त्रिपाठी, डॉ अंजलि विक्रम सिंह, चित्र जालान, अशोक कुमार मिश्रा।

गुरु की कृपा से लंका धिराज रावण पर विजय प्राप्त किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के ममुआं गांव में आयोजित अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के यज्ञ संचालन करता आचार्य सौरभ भारद्वाज ने बताया सप्तम दिवस श्री राम कथा का आज विश्राम किया गया चित्रकूट धाम से पधारे श्री मानस राजहंस तुलसी किंकर जी महाराज के द्वारा श्री राम राज्य की स्थापना कैसे प्रभु श्री रामचंद्र जी ने किया बताया कि श्री राम जी से अयोध्या वासियों ने पूछा की लंका धीरज रावण पर अपने विजय कैसे प्राप्त किया तो भगवान ने कितना सुंदर उत्तर दिया समाज वासियों के लिए गुरु वशिष्ठ कल पूज्य हमारे। जीनकी कृपा धनुज रन मारे।। अर्थात प्रभु श्री राम ने कहा सिर्फ और सिर्फ गुरु की कृपा थी जो हमने लंका धिराज रावण पर विजय प्राप्त किया महाराज ने बताया राम राज्य का मतलब है चाहे वह गरीब हो आदिवासी हो पिछड़ा हो शोषण हो कोई भी छोटा और बड़ा नहीं रहेगा राम राज्य की स्थापना का महत्व है यज्ञ करता पंडित दीपेंद्र देव विद्यार्थी एवं ग्राम वासियों के विशेष सहयोग के कारण सकुशल श्री राम कथा का विश्राम एवं महाराज की विदाई की गई यज्ञ के यजमान हेमनाथ देव पांडे ने वैदिक रीति से पूजन अर्चन वंदन किया यीशु भावसार पर आचार्य पंडित नागेंद्र नाथ मिश्रा पंडित धीरज शास्त्री राजकुमार पांडे विनय चौबे रोशन शास्त्री आदि लोग मौजूद रहे।

चौहान विकास संघ के जिलाध्यक्ष बने कृपा शंकर चौहान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित एक होटल परिसर में मंगलवार को चौहान विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह चौहान (वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय,) एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव नारयण चौहान के नेतृत्व मे चौहान विकास संघ सोनभद्र की नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमे सर्व सम्मत से कृपा शंकर चौहान को चौहान विकास सघ का जिला अध्यक्ष नियुक्तकिया गया एवं डाक्टर विशेश्वर चौहान को जिला महा सचिव एवं मनोज चौहान को जिला उपाध्यक्ष एवं तारकेश्वर सिंह, चौहान को जिला कोषाध्यक्ष नामित किया गया कार्यकारणी गठन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाज के मजबूती एवं चौहान समाज के उत्थान हेतु संघठन की मजबूती पर बल दिया गया ।

रासलीला के छठें दिन दशावतार लीला का हुआ मंचन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में चल रहे विश्व प्रसिद्ध

वृंदावन की रासलीला कार्यक्रम के छठें दिन दशावतार लीला का मंचन हुआ। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े स्वामी दाऊदयाल की मंडली के कलाकारों द्वारा लीला के अंतर्गत सखाओं से पता चला कि श्रीकृष्ण ने मिट्टी खाई है। मां यशोदा ने श्री कृष्ण का मुख खुलवाया तो उसमें गंगा, यमुना, सरस्वती, पहाड़ अनेक देवता और राक्षस दिखाई दिए। मां यशोदा डर गई। मां यशोदा ने श्रीकृष्ण से वन में अकेला जाने को मना किया। वह कहती हैं कि वहां बड़े-बड़े हाऊ रहते हैं तो बच्चों को खा जाते हैं। श्रीकृष्ण बोले मां मैंने अनेक अवतार धारण किए। लेकिन मुझे तो कोई हाऊ दिखाई नहीं दिया। मां यशोदा ने कहा जो अवतार धारण किए उन्हें मुझे दिखाओ। श्रीकृष्ण ने मां यशोदा को दशावतार के दर्शन करायें। गऊ, ब्राह्मण, संत एवं पृथ्वी की रक्षा हेतु श्रीकृष्ण ने मच्छ, कच्छप, बराह, नरसिंह, वामन,परशुराम एवं श्रीराम आदि अवतार धारण कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। छठें दिन की लीला का समापन श्री कृष्ण की दिव्य आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर समिति के जितेन्द्र सिंह, कृष्णमुरारी गुप्ता, राम प्रसाद यादव, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, सत्येंद्र, आशीष अग्रवाल, संदीप चौरसिया, राजेश सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पिकअप के धक्के से बाइक सवार पति-पत्नी की दर्दनाक मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । मिर्जापुर जिला के चौरासी चौक पर सोमवार देर शाम

भाई सवार पति-पत्नी का पिकअप के धक्के से हुई दर्दनाक मौत। मिर्जापुर जिले के रामपुर बरहो के ग्राम प्रधान संजय सिंह ने बताया कि सूर्यपाल उम्र 42 वर्ष पिता स्वर्गीय शुखु पत्नी 40 वर्षी ननकी आगामी में मई बेटी की शादी समारोह के लिए खादरी करने सोमवार सुबह बाइक से निकली थी देर शाम इमलिया चौरासी चौक पर अनियंत्रित पिकअप के धक्के से घायल हो गए आसपास के लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई मौके पहुंची पुलिस द्वारा उपचार के लिए सीएससी भेजा गया जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल सोनभद्र रेफर हो गए देर रात उपचार के दौरान पति-पत्नी की हुई मौत उधर ग्राम प्रधान ने बताया कि पांच लड़के एक लड़की सूर्यपाल के थे जिनमें लड़की की शादी समारोह के लिए खरीदारी करने घर से निकले थे घर पूरा मातम में बदल गया संबंधित थाने को पत्र देकर अग्रिम कार्रवाई कराई जा रही है।

सात-दिवसीय विशेष शिविर दिन रात आयोजन का प्रथम दिन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ-एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर, सोनभद्र ठराष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीयठ के तत्वावधान में सात-दिवसीय विशेष शिविर दिन-रात का शुभारंभ मगलवार को प्रातः चिल्काडांड पंचायत भवन में हुआ। शिविर का उद्घाटन चिल्काडांड ग्राम प्रधान हीरालाल द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। अपने सम्बोधन में ग्राम

प्रधान ने समाज सेवा को मानव धर्म का सारतत्व बताया। सामाजिक जागरूकता से अनेक चुनौतियों के समाधान पर बल देते हुए आपने इस कार्य में एनएसएस स्वयंसेवकों का आह्वान किया। प्रस्तावित आयोजन में आपने सभी स्वयंसेवकों का स्वागत किया और सात दिवसीय शिविर के आयोजन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। शिविर में मुख्य अतिथि सहित सभी सहभागियों का स्वागत डॉ विनोद कुमार पाण्डेय कार्यक्रम अधिकारी इकाई-तृतीय ने किया। अपने स्वागत भाषण में डॉ पाण्डेय ने सात-दिवसीय विशेष शिविर दिन-रात की कार्य योजना पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अनेक स्वयंसेवकों ने एनएसएस के उद्येश्य प्राप्ति के लिए अपने विचार व्यक्त किये। उद्घाटन सत्र के प्रति सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रभाकर लाल कार्यक्रम अधिकारी इकाई-प्रथम ने किया। स्वयंसेवक अभिषेक द्विवेदी ने एनएसएस संकल्पपत्र का बाचन किया। विशाल कुमार, हिमांशु, पूनम, अनामिका, गरिमा, रानू, आर चित्रा, ज्योति का इसमें सराहनीय योगदान रहा। ज्ञात हो कि प्रस्तुत कार्यक्रम 04/ से 10/03/ तक इकाई-प्रथम के 50 और इकाई-तृतीय के 50 स्वयंसेवकों के दिन-रात सहभाग से चिल्काडांड ग्राम में सम्पन्न होना है। प्रथम दिन के कार्यक्रम में डॉ छोटेलाल प्रसाद, डॉ मनोज कुमार गौतम, डॉ ओमप्रकाश यादव, मनिंदर कुमार डिसूजा, प्रशांत कुमार विश्वकर्मा, अमित कुमार सिंह ने सभी गतिविधियों में सहभाग किया और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

महाकुंभ के अमृत जल का श्रद्धालुओं में वितरण कल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । जनपद सोनभद्र जिला मुख्यालय स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में बुधवार सुबह 10:00 बजे से महाकुंभ से आए हुए अमृत जल श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा संबंधित थाना प्रभारी के सुरक्षा व्यवस्था में। आशय की जानकारी अग्निशमन प्रभारी करण यादव ने बताया कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन पर महाकुंभ गए हुए जिले से तीन वाहन अग्नि संबंध से अमृत जल सोनभद्र में आ रहा है जिसमें एक वाहन से आ चुका है जिसका अमृत जल वितरण जिला मुख्यालय स्थित शीतला माता मंदिर प्रांगण में सुबह 10:00 बजे से संबंधित थाना प्रभारी के सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा एवं उन वाहनों के आने उपरांत स्थान व समय चिन्हित कर आम जनमानस को सूचित किया जाएगा जिससे कि महाकुंभ के इस पावन अमृत जल हर घर पहुंच सके।

आशा कर्मचारी ने कलेक्ट्रेट पर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश आशा वर्कर यूनियन बैनर तले कार्यकर्ताओं ने

अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री नामित विज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को देकर बुलंद की आवाज प्रदेश की विधान सभा के जारी सत्र में 2025 का बजट प्रस्तुत किया गया। पूरे बजट में प्रदेश भर में स्वास्थ्य अभियानों में अगुआ की भूमिका निभा रही आशा कर्मियों की बेहतरी, उनके जीवन जीने लायक मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और उनकी सेवाओं की निरंतरता के सम्बन्ध में कोई चिंता नहीं की गई। 45 व 46 वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिस के अनुरुप कर्मचारी के रूप में मान्यता देने, न्यूनतम ईएसआई, ईपीएफ, ग्रेड्यूटी देने की दशक भर से उठ रही मांगों को अनसुना कर दिया गया। वेतन, प्रदेश में पिछले वर्ष 2 फरवरी को मिशन निदेशक के साथ हुई वार्ता में वर्ष 2019 से 2023 तक के और कुछ कृत कार्यों की एक दशक से बकाया प्रोत्साहन राशि के 1 लाख करोड़ से अधिक लापता भुगतान में अधिकांश की अदायगी का विश्वास दिलाया गया था किंतु एक वर्ष बीत जाने के बाद उस दिशा में कोई रुचि नहीं दिखाई गई। बजट में आशा वर्कर्स के वर्षों से उठ रहे सवालों को अनसुना कर दिया गया है। महोदय ?द्वारा वर्ष 2021 के दिसंबर माह में आशा को रु 6700/ और संगिनी को 11500/रु भुगतान करने का बयान आज भी सदन में एक प्रश्न के उत्तर ए बताया गया किंतु यह मिथ्या है। प्रदेश की किसी एक भी आशा कर्मी को यह कथित भुगतान नहीं मिलता है। कई बार निदेशालय और सरकार महोदय से जानने के लिए और यह राशि भुगतान कराए जाने के लिए याचना की गई किंतु कोई कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। वहीं प्रदेश में आशा कर्मियों के कार्यों के टेप मिलने वाली प्रोत्साहन राशियों में किन दिन खोलकर दिखाओ वसूली बेनामी खातों में धान के स्थानांतरण और उनके नकदी कारण का खेल जारी है । इस मौके पर जानकी देवी सोनू सिंह सुमित्रा पार्वती विमल गीता सुमन नीलम उषा संगीता आदि लोग मौजूद रहे।

जन अधिकार पार्टी की भाईचारा बनाओ यात्रा का सोनभद्र में भव्य हुआ स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावट्र्सगंज, सोनभद्र जन अधिकार पार्टी के तत्वाधान में संबिधान एवं लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीया शिवकन्या कुशवाहा की अगुआई में भाईचारा बनाओ यात्रा सोनभद्र होता है कि बहुजन समाज संबिधान के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दास्त नही करेगा जन अधिकार पार्टी यात्रा के माध्यम से बहुजन समाज को संबिधान के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि बाबा साहब डा0 भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखे गए संबिधान से कुछ लोगो सम्बिधान के मंशा के अनुरूप सबको शिक्षा एक समान गरीब हो या हो धनवान नीति को लागू किया जाए जिससे गरीब का भी बेटा डीएम, एसपी, डॉक्टर , इंजीनियर , मास्टर, वकील बन सके ताकि समाज मे समरसता कायम हो सके । यात्रा का लोहरा

पहुँची यात्रा का जनपद के सुकृत में कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा को माला पहनाकर कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया । आगे मधुपुर सब्जी मंडी में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने कहा कि जिस संबिधान की बदौलत बहुजन समाज सुरक्षित है एवं अपने हक अधिकारों को प्राप्त करता है उसकी सुरक्षा व मजबूती प्रदान करने के लिए भाईचारा बनाओ यात्रा 07 जनवरी 2025 से निकली है जिसका विभिन्न जनपदों से होकर सोनभद्र पहुचने पर बहुजन समाज ने जिस गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है जिससे यह प्रतीत के पेट मे लगातार दर्द हो रहा है उनकी चाहत है कि बहुजन समाज उनकी गुलामी करे जिसकी इजाजत भारतीय संबिधान नही देता जन अधिकार पार्टी की चाहत है कि बाबा साहब द्वारा लिखित सम्बिधान पूर्ण रूप से लागू हो जिससे सम्बिधान का राज स्थापित हो सके ताकि समाज के अंतिम ब्यक्ति के होठो पर मुस्कान दिख सके । लोकसभा रावट्र्सगंज के सांसद छोटेलाल सिंह खरवारने कहा कि जन अधिकार पार्टी चाहती है कि देश मे जाती जनगणना कराकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्रो में संख्या के अनुपात में लोगो की हिस्सेदारी सुनिश्चित किया जाए जिससे हर जाति समाज के लोगो को उनका हिस्सा प्राप्त हो सके । चन्द्रशेन पाल प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नहर, तेंदू नहर, धुरिया माइनर, कबरी, बेलखुरी, चतरा, काशीपुरा नहर, गुरौटी, बजरा, नाको गेट, खलियारी सहित अनेको जगहों पर कार्ययकर्ताओ एवं समर्थकों द्वारा भब्य स्वागत किया गया । यात्रा में राष्ट्रीय महासचिव लाखन राज पासी, प्रदेश प्रमुख महासचिव डा0 भागीरथी सिंह मौर्य, वाराणसी मण्डल प्रभारी सुमन्त सिंह मौर्य, सोनभद्र जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य जिला पंचायत सदस्य उषा भारतीय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामचरित्तर सोनकर, जिला उपाध्यक्ष अजित भारतीय, जिला महासचिव रविरंजन शाक्य , मंगला प्रसाद मौर्य , रामलोचन राम, दिनेश वर्मा, कन्हैया सिंह कुशवाहा, रानी सिंह, कीरन कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

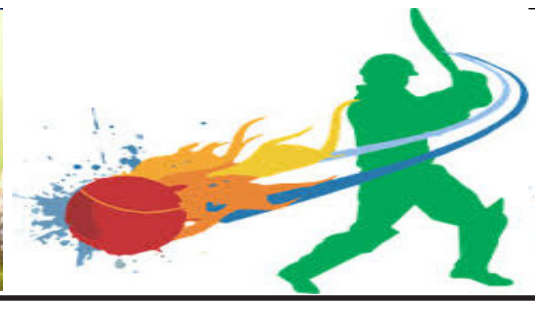

क्या सेमीफाइनल में भी चार स्पिनरों के साथ उतरेगा भारत, हेड-मैक्सवेल का कौन बनेगा तोड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया था जो सही साबित हुआ। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है।चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अजेय चल रही भारतीय टीम के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती है। भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा जिसके खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट में उसका रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है। इसी कंगारू टीम ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत का विश्व विजेता बनने का सपना तोड़ा था और एक बार फिर रोहित शर्मा की सेना का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत ग्रुप ए में अपने तीनों मैच जीतने में सफल रहा। भारतीय टीम ने सबसे पहले बांग्लादेश को हराया और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इसके बाद रविवार को आखिरी ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड पर जीत कर

ग्रुप चरण का अंत शीर्ष पर रहकर किया। भारत ने तीनों ही मुकाबले में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना दम दिखाया और अब उसके और खिताब के बीच दो जीत का फासला रह गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे स्टार खिलाड़ी नहीं है, इसके बावजूद टीम मजबूत नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप चरण के पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में आईसीसी वनडे टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया था। पहले मैच से पूर्व लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया टीम कमजोर है, लेकिन जिस तरह से उसने इंग्लैंड को हराया, इसने यह साबित किया कि कंगारू टीम आईसीसी टूर्नामेंट में अलग लय में खेलती है। ऑस्ट्रेलिया का इसके बाद दोनों मैच बारिश में धुल गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच बिना एक भी गेंद खेले रद्द हुआ, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एक पारी पूरी हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने भी लक्ष्य का पीछा करते हुए कंगारू टीम ने भी 12.5 ओवर खेल लिए थे। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया था जो सही साबित हुआ। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यह मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है। भारतीय टीम को चार स्पिनर उतारने का फायदा मिला क्योंकि न्यूजीलैंड के नौ विकेट स्पिनरों ने ही झटके। चैंपियंस ट्रॉफी में यह पहला अवसर था जब स्पिनरों ने किसी मैच में नौ विकेट लिए। न्यूजीलैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती ने काफी प्रभावित किया जो पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। वरुण चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ही मैच खेले थे और उन्होंने चमक बिखेरी। ऐसा नहीं है कि पिच से इतनी टर्न मिल रही है कि भारतीय गेंदबाजों कामयाब रहे है बल्कि इन पिचों पर उनका संयम कारगर साबित हुआ है। भारतीय स्पिन चौकड़ी वरुण, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट लिए। उन्होंने 39 ओवरों में 128 डॉट गेंद डाली। केन विलियमसन जैसा धैर्यवान बल्लेबाज भी अक्षर पटेल के सामने संयम खो बैठा और केएल राहुल की स्टम्पिंग का शिकार हो गया। इसलिए यह तय है कि भारत चार स्पिनरों के साथ ही सेमीफाइनल में उतरेगा। वहीं, तेज गेंदबाजी विभाग में हार्दिक पांड्या के साथ अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी होंगे। शमी ने हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी की और वह खाली हाथ रहे थे। भारत के लिए इस मैच में सबसे बड़ी चुनौती ट्रेविस हेड को रोकने की होगी। हेड का बल्ला भारत के खिलाफ जमकर चलता है, विशेषकर आईसीसी टूर्नामेंट में वह भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान करते हैं। यह वही हेड हैं जिन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और 2023 विश्व कप के फाइनल में शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी। हेड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 40 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाए थे जो दिखाता है वह फॉर्म में हैं। हेड के खिलाफ शमी से काफी उम्मीदें होंगी।

अजिंक्य रहाणे बने कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान, इस ऑलराउंडर को मिला उपकप्तानी का जिम्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रहाणे की अगुआई में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल 2025 सीजन से पहले टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की है, जबकि ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे की अगुआई में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। श्रेयस इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे, ऐसे में केकेआर नए कप्तान के नेतृत्व में उतरेगी। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने सर्वाधिक मूल्य देकर खरीदा था और वह आगामी सीजन में रहाणे के साथ मिलकर काम करेंगे। वेंकटेश लंबे समय से कोलकाता फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल 2025 सीजन से पहले टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की है, जबकि ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे की अगुआई में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। श्रेयस इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे, ऐसे में केकेआर नए कप्तान के नेतृत्व में उतरेगी। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने सर्वाधिक मूल्य देकर गत चैंपियन केकेआर आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में होने वाले मैच से करेगी। कप्तान नियुक्त होने के बाद रहाणे ने कहा, केकेआर की कप्तानी करना सम्मान की बात है जो आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मेरे ख्याल से हमारी टीम संतुलित और शानदार है। मैं खिताब का बचाव करने की चुनौती के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। रहाणे दो साल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बिताने में बाद केकेआर में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने टी20 खिलाड़ी के तौर पर खुद को साबित किया है। रहाणे ने 2022 सीजन में केकेआर के लिए सात मैच खेले और 133 रन बनाए। मुंबई के इस अनुभवी बल्लेबाज के पास आईपीएल में कप्तानी करने का भी अनुभव है। रहाणे ने 2018 और 2019 सीजन में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभाली थी। रहाणे मुंबई रणजी टीम के कप्तान हैं और वह विराट कोहली की कप्तानी के दौरान भारतीय टीम के नियमित उपकप्तान भी रहे थे। रहाणे पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा नीलामी में उनके आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। रहाणे की अगुआई में भारतीय टीम ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उनकी अगुआई में हाल ही में संपन्न रणजी ट्रॉफी में मुंबई का सफर सेमीफाइनल तक पहुंचा था। केकेआर की टीम में कप्तानी के लिए बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है। भारतीय खिलाड़ियों में से उन्हें रहाणे, वेंकटेश और रिंकू सिंह में से किसी एक को चुनना था।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिल सकता है बड़ा सम्मान, लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था। आईपीएल पंत फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पंत को हालांकि, अब तक तीनों मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला है और उनकी जगह केएल राहुल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है। पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पंत 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। पंत इस बार लखनऊ सुपरजाएंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंत आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई खिलाड़ियों की मेगा नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

विकेट गिरने पर गेंदबाज से ज्यादा उत्साहित क्यों हो जाते हैं कोहली विराट ने खुद दिया जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम का सफर चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक शानदार रहा है और टीम ने ग्रुप चरण में अपने तीनों मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई

किया है। भारत का सामना अब मंगलवार को सेमीफाइनल में वनडे विश्व कप की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया होगा। इस मुकाबले में कोहली से बड़ी पारी खेलने की उम्मीद रहेगी भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली क्रिकेट के मैदान पर अधिक आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं। कोहली बल्लेबाजी के अलावा फील्डिंग के दौरान भी कई बार ज्यादा ही उत्साहित हो जाते हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कई बार मीम्स भी बने हैं जिसमें दिखाया जाता है कि कोहली विकेट गिरने पर गेंदबाज से ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं। कोहली फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे हैं और उन्होंने इस बारे में जवाब दिया है कि वह मैदान पर इतने उत्साहित क्यों हो जाते हैं। कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली थी। यह कोहली के वनडे करियर का 300वां मुकाबला था। कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज हैं। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। दूसरे पायदान पर महेंद्र सिंह धोनी हैं जिन्होंने 347 वनडे में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राहुल द्रविड़ (340) तीसरे, मोहम्मद अजहरुद्दीन (334) चौथे, सौरव गांगुली (308) पांचवें और युवराज सिंह (301) छठे पायदान पर मौजूद हैं। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें कोहली से पूछा गया कि विकेट गिरने पर वह गेंदबाज से ज्यादा उत्साहित होकर जश्न क्यों मनाते हैं? इस पर कोहली ने कहा, मेरे लिए मैदान पर उतरकर खेलना हमेशा ही आनंद का विषय रहा है और आमतौर पर आप जीतने के लिए खेलने उतरते हो। मेरे लिए अगर विकेट गिर रहा है तो वह जीत के करीब बढ़ने का एक कदम है जो मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण चीज है।कोहली ने कहा, टीम के खेल में आपको 10 अन्य खिलाड़ियों के साथ ही काफी मेहनत करनी होती है। मैं टीम के साथ हर पल का आनंद लेना चाहता हूं और जश्न मनाना चाहता हूं जो जीत हासिल करने में मदद करती है। भारतीय टीम का सफर चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक शानदार रहा है और टीम ने ग्रुप चरण में अपने तीनों मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। भारत का सामना अब मंगलवार को सेमीफाइनल में वनडे विश्व कप की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया होगा। इस मुकाबले में कोहली से बड़ी पारी खेलने की उम्मीद रहेगी।

गुजरात जाएंट्स ने यूपी वारियर्स को 81 रन से हराया, डब्ल्यूपीएल में रनों के लिहाज से दूसरी बड़ी जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुजरात जाएंट्स ने डब्ल्यूपीएल के मुकाबले में यूपी वारियर्स को 81 रनों के बड़े अंतर से हराया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के लिहाज से किसी टीम की दूसरी बड़ी जीत है।बेथ मूनी की शानदार बल्लेबाजी के बाद काश्वी गौतम और तनुजा कंवर की बेहतरीन गेंदबाजी से गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में यूपी वारियर्स को 81 रनों के बड़े अंतर से हराया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के लिहाज से किसी टीम की दूसरी बड़ी जीत है। बेथ मूनी के 96 रनों की पारी के दम पर गुजरात जाएंट्स ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए। जवाब में यूपी वारियर्स की टीम 17.1 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वारियर्स की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम किसी भी समय अच्छी स्थिति में नहीं दिखी। यूपी वारियर्स की ओर से चिनेले हेनरी ने सर्वाधिक 28 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने 25 रनों की पारी खेली। यूपी के चार बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके, जबकि तीन बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचे। यूपी के लिए किरन नवगिरे और जॉर्जिया वोल खाता खोले बिना ही पवेलियन लौटे, जबकि वृंदा दिनेश ने एक और कप्तान दीप्ति शर्मा छह रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके अलावा श्वेता सहरावत पांच रन, उमा छेत्री 17 और सोफी एक्लेस्टोन 17 रन बनाकर आउट हुईं। गुजरात की ओर से काश्वी और तनुजा ने तोड़ दिया। मूनी ने 59 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से नाबाद 96 रन बनाए। मूनी डब्ल्यूपीएल इतिहास का पहला शतक जड़ने के करीब थीं, लेकिन बेहद कम अंतर से ऐसा करने से चूक गईं। गुजरात के लिए एक छोर से बेथ मूनी ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और उन्होंने अर्धशतक जड़ा। मूनी और हरलीन देओल के बीच दूसरे विकेट के लिए शानदार साझेदारी हो रही

थी जिसे सोफी एक्लेस्टोन ने हरलीन को आउट कर तोड़ा। हरलीन भी अर्धशतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन 32 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुईं। मूनी और हरलीन के बीच दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी हुई। यह डब्ल्यूपीएल में गुजरात के इतिहास में चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है।गुजरात की ओर से डियांड्रा डॉटिन ने 17, कप्तान एश्ले गार्डनर ने 11, फोएबे लिचफील्ड ने आठ और दयालन हेमलता ने दो रन बनाए। वहीं, भारती फुलमाली दो रन बनाकर नाबाद रहीं। यूपी की ओर से सोफी एक्लेटोन ने दो विकेट लिए, जबकि चिनेले हेनरी, दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

दुबई में भारत को हो रहा फायदा रोहित ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कई पूर्व खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी अवधि के लिए भारत के दुबई में रहने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इस कदम से उन्हें ग्रुप ए में अन्य टीमों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का बेहतर मौका मिला है कप्तान रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण भारत को अनुचित लाभ मिलने की आलोचना करते हुए कहा कि यह उनका घरेलू मैदान नहीं है। उन्होंने कहा कि दुबई की पिचों ने उनकी टीम के लिए अलग-अलग चुनौतियां पेश की हैं। पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी अवधि के लिए भारत के दुबई में रहने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इस कदम से उन्हें ग्रुप ए में अन्य टीमों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का बेहतर मौका मिला है।

सम्पादकीय

बढ़ रहा भारत का अंतरराष्ट्रीय कद, मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों ने देश को नई दिशा दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत न केवल विकास की नई परिभाषाएं गढ़ रहा है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक शक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। मोदी सरकार की निर्णायक नीतियां, प्रगतिशील दृष्टिकोण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाली कार्यशैली ने भारत को उन्नति की ओर अग्रसर कर दिया है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने से पहले रुकने वाला नहीं है। हाल में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, जनकल्याणकारी केंद्रीय बजट, मध्यवर्ग के लिए कर राहत, फ्रांस में आयोजित एआइ सम्मेलन में भारत की प्रभावशाली भागीदारी, मोदी का अमेरिका दौरा और यूरोपीय संघ (ईयू) के दृष्टिकोण में भारत का बढ़ता महत्व देश के प्रभुत्व में हुई वृद्धि को प्रमाणित करता है। आज दुनिया के कई हिस्सों में फैली अशांति और युद्ध की स्थिति में भारत हमेशा से शांति

के पक्ष में दिखाई दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण है कि दुनिया का भविष्य शांति और सहिष्णुता के सिद्धांतों पर आधारित होगा, तभी सभी देश मिलकर लोगों के कल्याण, सुरक्षा और समृद्धि के लिए कार्य कर सकेंगे। यही कारण है कि कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भारत की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। मोदी सरकार ने केंद्र और राजग शासित राज्यों में एक नई राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है, जिसका मूलमंत्र सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और गरीब कल्याण है। उसने विकसित भारत, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के जरिये जनभागीदारी को प्राथमिकता दी है। दिल्ली चुनाव में भाजपा की सफलता इसका प्रमाण है कि जनता अब केवल मुफ्त योजनाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि ठोस विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दों के साथ विश्वसनीय नेतृत्व और परफार्मेंस आफ पालिटिक्स को प्राथमिकता दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में पूर्व दो चुनावों की अपेक्षा भाजपा को कम सीटें मिलीं, जिसके पीछे विपक्ष द्वारा संविधान और आरक्षण को लेकर फैलाया गया भ्रम था। चुनाव के तुरंत बाद जनता ने समझ लिया कि विपक्ष की नकारात्मक राजनीति देश के विकास में बाधक है और हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली की जनता का जनादेश इसका संकेत कर रहा है कि जनता अब बेहद जागरूक होकर अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए मतदान कर रही है। आज भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीकी क्रांति में अग्रणी योगदान भी दे रहा है। हाल में फ्रांस में आयोजित एआइ सम्मेलन में भारत की भागीदारी से स्पष्ट हुआ कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है। इस सम्मेलन में भारत और फ्रांस के बीच एआइ आधारित रक्षा और साइबर सुरक्षा साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सहमति बनी। उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की हुई अमेरिका यात्रा केवल एक द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि भारत की कूटनीतिक शक्ति के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम भी थी। उस यात्रा में अमेरिका की प्रमुख कंपनियों ने भारत में 50 अरब डालर के निवेश की घोषणा की। रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए इससे साफ होता है कि भारत-अमेरिका संबंध अब केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक गठबंधन का रूप ले चुके हैं। यह गठबंधन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यूएस-इंडिया ट्रस्ट पहल की भी शुरुआत की घोषणा की गई यह रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अहम प्रौद्योगिकियों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग को प्रेरित करेगी। इसके अंतर्गत वर्ष के अंत तक एआइ इन्फ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई है। भारत अगले दो वर्षों में 44 हजार करोड़ केवल टेक्नोलाजी क्षेत्र में निवेश करने की योजना पर भी काम कर रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार तो मिलेगा ही साथ में एआइ के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व भी करता हुआ दिखाई देगा। इस प्रकार भारत सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन और एआइ-मशीन लर्निंग रिसर्च को बढ़ावा देने से यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भारत टेक्नोलाजी का उपभोक्ता के साथ-साथ वैश्विक आपूर्तिकर्ता भी बनेगा। बीते एक दशक में भारत ने केवल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि कूटनीति और वैश्विक राजनीति में भी अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है कॉप-26 में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हो अथवा वित्त वर्ष 2023-24 में 800 अरब डालर से अधिक का निर्यात, इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार में मजबूत हो रही है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाए हैं, जिससे वह अब दुनिया के हथियार निर्यातक देशों में शामिल हो रहा है। साफ है मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां, तकनीक के क्षेत्र में प्रगति, कूटनीतिक कौशल और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक नई दिशा दी है। आने वाले वर्षों में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति रहेगा, बल्कि एक स्थापित वैश्विक ताकत के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ करेगा।

हर साल समुद्रों से निकाली जा रही ८०० करोड़ टन तक रेत, समुद्री जीवन के लिए है खतरनाक

रेत खनन से न केवल तटीय क्षेत्र कटाव का सामना कर रहे हैं बल्कि इससे समुद्री जीवों के आवास को भी बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। यह आक्रामक प्रजातियों के प्रसार में सहायक हो रहा है और इसकी वजह से मत्स्य पालन में भी कमी आ रही है। दुनिया में रेत खनन के बढ़ते व्यापार से समुद्र भी सुरक्षित नहीं हैं, जिन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। यहां तक कि संरक्षित क्षेत्रों पर भी इसका असर पड़ रहा है और इस वजह से समुद्री जीवन को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को हो रहे नुकसान के बावजूद इस समस्या को अनदेखा किया जा रहा है। हर साल 800 करोड़ टन तक रेत समुद्रों से निकाली जा रही है, जो प्रतिदिन रेत से भरे जाने वाले दस लाख ट्रकों के बराबर है। यह जानकारी एक अध्ययन में सामने आई है। रेत खनन के समुद्री जीवन पर बढ़ते प्रभावों को उजागर करते हुए एलिकांटे विवि, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी गेन्ट, जिनेवा विवि और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकर्ताओं ने एक नया अध्ययन किया है जिसके नतीजे जर्नल वन अर्थ में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि रेत और बजरी उन संसाधनों में शामिल हैं जिनका सबसे ज्यादा अधिक दोहन हुआ है। 1970 से 2019 के बीच प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तीन गुना से भी ज्यादा हो गया है। इसका मुख्य कारण रेत और अन्य निर्माण सामग्री के खनन में होने वाली भारी वृद्धि है, जिन्हें एग्रीगेट्स के नाम से जाना जाता है। संसाधनों के दोहन में हो रही यह वृद्धि जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ प्रजातियों को भी नुकसान पहुंचा रही है साथ ही दुनिया में जल संकट को भी बढ़ावा दे रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) का भी कहना है कि पानी के बाद रेत दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली वस्तु है। समुद्री रेत, निर्माण का एक मुख्य घटक है जिसके भण्डार बड़ी तेजी से कम हो रहे हैं।अध्ययन के अनुसार, एक तरह से रेत दुनिया भर में मानव विकास का आधार है। यह कंक्रीट, डामर, कांच और इलेक्ट्रॉनिक्स का एक प्रमुख घटक है। अपेक्षाकृत सस्ता होने के साथ-साथ इसका दोहन आसान है। गहरे समुद्र में खनन या महत्वपूर्ण खनिजों के विपरीत, समुद्रों में होते रेत खनन पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। यह मछली पकड़ने के बाद इंसानों द्वारा की जाने वाली दूसरी सबसे आम तटीय गतिविधि है और इसे अक्सर हल्के में लिया जाता है। रेत खनन से न केवल तटीय क्षेत्र कटाव का सामना कर रहे हैं बल्कि इससे समुद्री जीवों के आवास को भी बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। यह आक्रामक प्रजातियों के प्रसार में सहायक हो रहा है और इसकी वजह से मत्स्य पालन में भी कमी आ रही है। रेत खनन से पानी धुंधला हो जाता है और यह समुद्री घास और मूंगे को नष्ट कर देता है। इसकी वजह से समुद्री आवास खंडित हो जाते हैं। इसके कारण 500 से ज्यादा समुद्री प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। इतना ही नहीं यह लहरों के पैटर्न में भी बदलाव की वजह बन रहा है। इसी तरह खनन, अन्य तरीकों से भी समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचा रहा है। शोधकर्ताओं का कहना है कि रेत खनन से समुद्री जीवन और विविधता को नुकसान पहुंच रहा है। रेत न केवल इंसानों बल्कि प्रकृति के लिए भी बेहद आवश्यक है। ऐसे में इसे संतुलित किए जाने की आवश्यकता है।रेत प्रकृति और मानव विकास दोनों के लिए आवश्यक है। यह न केवल निर्माण बल्कि प्राकृतिक दुनिया को भी आकार देती है। इसका दोहन एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। मेटाकपलिंग फ्रेमवर्क जैसे उपकरण जटिलता को सुलझाने के लिए आवश्यक हैं। यह न केवल रेत खनन के स्थानों बल्कि परिवहन मार्गों और जिन स्थानों में निर्माण के लिए रेत का उपयोग किया जा रहा है वहां भी इनके छिपे प्रभावों को उजागर करने में मदद करते हैं। मोटेतौर मेटाकपलिंग अध्ययन करने का एक ऐसा नया तरीका है जो बताता है कि किस तरह से मनुष्य और प्रकृति परस्पर क्रिया करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार वैश्विक स्तर पर अगले 38 वर्षों में रेत की मांग करीब 44 फीसदी बढ़ जाएगी। 2020 में रेत की मांग 320 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष थी वह 2060 तक बढ़कर 460 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष पर पहुंच जाएगी। यानी इन 40 वर्षों में इसमें करीब 140 करोड़ मीट्रिक टन की बढ़ोतरी होने की सम्भावना है। शोधकर्ताओं ने इस बात को भी स्वीकार किया है कि रेत का कुल कितना प्राकृतिक भंडार मौजूद है इसकी सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि जिस तेजी से इसकी मांग बढ़ रही है, आने वाले वक्त में इसकी भारी किल्लत हो जाएगी। इसके अलावा दुनिया भर में हर साल करीब 5,000 करोड़ टन रेत और बजरी नदियों, झीलों आदि से निकाली जा रही है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा खनन की जाने वाली सामग्री है। पिछले कुछ वर्षों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में बढ़ते शहरीकरण की वजह से रेत, बजरी और छोटे पत्थरों की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। वहीं यदि सीमेंट की मांग को देखें तो पिछले 20 वर्षों के दौरान दुनिया भर में इसकी मांग में 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। सीमेंट की मांग सीधे तौर पर रेत और बजरी की बढ़ती खपत से जुड़ी है। इसी विषय से जुड़े हुए एक अन्य शोध में लीडेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया है कि भारत में भी तेजी के साथ बढ़ते शहरीकरण के कारण अलगे 38 वर्षों में रेत की मांग में 294.4 फीसदी का इजाफा हो सकता है। इसी तरह 2020 से 2060 के बीच अमेरिका में रेत की कुल मांग 568 करोड़ टन रहने की सम्भावना है, उसके विपरीत भारत में यह करीब 2,590 करोड़ टन पर पहुंच जाएगी। वहीं चीन में इसके सबसे ज्यादा 4,570 करोड़ टन रहने की सम्भावना है। पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन में इसकी मांग में करीब 438 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। पिछड़े और कम आय वाले देशों में 2060 तक रेत की मांग में 300 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। पूर्वी अफ्रीका में यह मांग सबसे ज्यादा 543.6 फीसदी रहने की सम्भावना है। इसके बाद पश्चिम अफ्रीका में 488.5 फीसदी की वृद्धि की सम्भावना है। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी और अध्ययन से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता जियांगुओ लियू का इस बारे में कहना है कि दुनिया में शहरीकरण और बढ़ते निर्माण के साथ रेत की मांग लगातार बढ़ रही है। इसे मांग को पूरा करने के लिए रेत खनन में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ रहा है। आज जिस तेजी से खनन किया जा रहा है वह मानव प्रकृति के बीच के संतुलन को बिगाड़ रहा है। ऐसे में मानव विकास की अंधी दौड़ की कीमत प्रकृति को चुकानी पड़ रही है।ऐसा नहीं है कि धरती पर रेत नहीं है सहारा, थार जैसे रेगिस्तानों में रेत के विशाल भण्डार मौजूद हैं, लेकिन समस्या यह है कि उस रेत का अधिकांश भाग औद्योगिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त है। ऐसे में निर्माण सम्बन्धी जरूरतों के लिए सबसे उपयोगी रेत समुद्र और नदियों के तल से ली जाती है। शोध के निष्कर्ष में कहा गया है कि चूंकि रेत खनन कटाव, जलवायु अनुकूलन और जैव विविधता को प्रभावित करता है ऐसे में इसे समुद्री संरक्षण, जलवायु योजनाओं और संसाधन प्रबंधन जैसी पर्यावरण संबंधी नीतियों में शामिल किया जाना चाहिए। इससे पहले कि समस्या और बदतर हो जाए इससे उबरने के लिए बेहतर समझ, सख्त नियमों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के प्रयासों पर जोर दिए जाने की आवश्यकता है।

आजाद समाज पार्टी ने निकाला जुलूस किया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आजाद समाज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन के क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर

काफिले पर हमले के विरोध में ज्ञापन-दिया गया । जिला अध्यक्ष ने बताया कि उ0प्र0 में वर्तमान भाजपा सरकार में प्रत्येक दिन किसी न किसी जनपद में होने वाली घटनाओं को रोक नहीं पा रही है। इसी प्रकार की घटनाएँ मथुरा जनपद में पिछले पन्द्रह दिन के अन्दर तीन स्थानों पर हुई है। पहली घटना गांव सिर्रेला थाना माँट में विरोध प्रदर्शन व जुलूस निकालकर राष्ट्रपति नामित ज्ञापन जिलाधिकारी नामित एसडीएम को देकर बुलंद की आवाज। आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष रविकांत ने बताया कि अनु0 जाति, अनु0जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं धार्मिक अल्पसंख्यक समाज पर किये जा रहे अन्याय अत्याचार एवं उत्पीड़न और मथुरा की घटना में सांसद एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद के सामन्तवादी मानसिकता एवं जातिवादी मानसिकता से ग्रसित आसामाजिक लोगों के द्वारा लगातार एक के बाद एक अनेकों घटनायें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के गरीब एवं कमजोर लोगों पर जान लेवा मारपीट, हत्या एवं बलात्कार और उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं भाजपा सरकार इन लोगों पर में पिछड़े वर्ग के वासुदेव बघेल युवक की हत्या की गई। दूसरी घटना गांव करनावल थाना रिफाइनरी में अनुसूचित जाति की बेटियों की शादी से पहले ही एक राय होकर बेटियों पर एवं बाराती एवं घरातियों पर लाठी, डण्डों से हमला किया मारपीट की गई बारात नहीं चढ़ी शादी भी नहीं होने दी. आज भी दोनों दुल्हन बनी लड़?कियां एवं परिवारजन रो रहे हैं। तीसरी घटना चोटे आयी हैं। चौथी घटना गांव कालिन्दी थाना सरदना जनपद मेरठ में बारात पर लाठी-डण्डों से हमला किया बारातियों को मारापीटा गया एवं दुल्हन का जेवर आदि सामान लूट लिया बारात चढ़ने नहीं दी। वही उपरोक्त ताबड़ तोड़ घटनाओं से पूरा मथुरा जनपद एवं उ0प्र0 के गरीब कमजोर लोगों में भय व्याप्त हो गया। वही पीड़ित परिवारीजनों से इनके दुःख में मिलने हेतु एवं इनके ऊपर होने वाले अन्याय अत्याचार को सरकार के जिम्मेदार अधिकारियों को इनकी सुरक्षा व्यवस्था कराने हेतु दिनांक 28 फरवरी को भीम आर्मी के चीफ एवं आजाद समाज पार्टी कांशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष नगीना से लोकप्रिय सांसद एडवोकेट भाई चन्द्रशेखर आजाद जी तीनों घटना स्थलों पर गये। घटना स्थल थाना सुरीर के पास पहुँचने से पहले ही माननीय सांसद जी के साथ चल रही कार्यकर्ताओं की काफिले की गाड़ियों पर विरोधियों ने सुनियोजित तरीके से पुलिस की मौजूदगी में हमला बोल दिया। पुलिस के अधिकारी कुछ सुरक्षा व्यवस्था नहीं कर पाये, इतना ही नहीं पीड़ितों से मिलने के बाद लौटते समय भी पुनः हमलावरों ने पुलिस की मौजूदगी में ही हमला बोला। इन हमलों से हमारे साथ चल रही गाड़ियों को तोड़ा गया हमारे कई कार्यकर्ता गम्भीर रूप से घायल भी हुए हैं। द्वार वर्ग महोदय आपसे अनुरोध करते हुए माँग की जाती है कि ऐसी घटनाओं को उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार रोक नहीं पा रही है कृपया करके उ0प्र0 में राष्ट्रपति शासन लगाया जाये तथा कमजोर लोगों की सुरक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक कदम उठाते हुए तत्काल अनु0 जाति जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों पर होने वाले उत्पीड़न तथा अन्याय अत्याचार को रोका जाये। भविष्य में हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष या नेताओं के काफिलों पर इस प्रकार की घटना न हो इसके लिए आवश्यक कदम उठाये जायें। गांव सिर्रेला थाना माँट के मृतक परिवारजनों को पच्चीस लाख रूपये सहायता राशि दी जाये। गांव भगत सिंह नगलिया थाना सुरीर के घायलो को पाँच-पाँच लाख रूपये दिये जाये इन्हें तत्काल आत्मरक्षा के लिए लाईसेंस दिये जाये तथा इनकी सुरक्षा हेतु फोर्स लगाया जाये। दोषी लोगों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाये। करन बेटिय चढ़ महोदय यदि हमारी माँगे नहीं मानी गई तो हमारी पार्टी आन्दोलन करने के लिए बाध्य होगी। प्रथम चरण में 3 मार्च को सभी जनपद मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन होगा। दूसरे चरण में आगामी 10 मार्च को लखनऊ में विधानसभा के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस दौरान चंद्रशेखर कुमार, राहुल,संजय,विनोद,डॉक्टर सुरेंद्र अरुण कुमार ,रोहित कुमार ,सुरेंद्र, संदीप, पवन, अमित आदि लोग मौजूद रहे।

खरुआंव में प्रधान मंत्री आवास योजना से वंचित है ग्रामीण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को घोरावल तहसील क्षेत्र के ग्राम खड़हां ग्राम पं0 खरुआंव के दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सर्वे में बड़े आदमी वीआईपी लोगों को चिन्हित कर आवास फार्म भरे जाने के विरोध में जिलाधिकारी नामित पत्र संबंधित को देखकर गरीबों व पत्रों को

आवाज दिलाए जाने की लगाई गुहार। गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि हम प्रार्थिनीगण उपरोक्त नाम व पते की निवासिनी है। हम प्रार्थिनीगण जाति चमार जो अनुसूति जाति के अन्तर्गत आती है। हम प्रार्थिनीगण के ग्राम पंचायत खरुआंव में प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत आवास आया है। जिसमे आवास का सर्वे किया जा रहा है। जिसके पास मोटरसायकिल, जमीन पक्का मकान वगै0 है उसका सर्वे किया जा रहा है जबकि हम प्रार्थिनीगण गरीब मजदूर है। हम लोगों का मकान कच्चा है फिर भी हम प्रार्थिनीगण का सर्वे नहीं हो रहा है और न लिस्ट में नाम ही पास किया गया है। जो पात्र हैं उनको अपात्र की श्रेणी में रखा जा रहा है जो अपात्र हैं उनको आवास दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति मे निवेदन है कि उक्त प्रकरण में मौके की जांच कर हम प्रार्थिनीगण को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मिलने वाला आवास दिलवाया जाना आवश्यक है। वही ग्रामीणों ने बताया कि हम प्रार्थिनीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में मौके की जांचकर हम प्रार्थिनीगण को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मिलने वाला आवास दिलवाये जाने की कृपा करें। इस मौके पर गीत ,आरती देवी, कांति ,तेतरी ,निशा ,वंदना ,संजू कुमारी ,निर्मला ,अर्चना, अमरावती ,प्यारी आदि लोग मौजूद रहे।

स्थापना के 36 साल हो जाने के बाद भी विकास से अधूरा है जिला सोनभद्र- आशु

4 मार्च 1989 को मिर्जापुर से अलग होकर बना सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के अध्यक्षता में राबर्ट्सगंज नगर दंडित बाबा परिसर पर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें जनपद सोनभद्र को विकास को लेकर लोगों ने अपनी बातें कहीं और जनपद के पिछड़े होने को लेकर वर्तमान की सरकारों पर उपेक्षा का आरोप लगाया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं पी0सी0सी0 सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि अगर देखा जाए तो जनपद सोनभद्र के अंदर गिट्टी, बालू ,बिजली, नहर ,कोयला,जल से परिपूर्ण ये जिला जिसको देश के

प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने मिनी स्वीटजरलैंड के रूप में देखा था, 1989 में जब जनपद सोनभद्र की स्थापना की गई उस समय देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' स्वर्गीय राजीव गांधी थे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित नारायण दत्त तिवारी थे ,जिस सोच के साथ इस जनपद की स्थापना की गई ,जहां इस जनपद के हमारे आदिवासी नेता यहां के आमजन मानस के दिलों की धड़कन कहे जाने वाले स्वर्गीय रामप्यारे पनिका जो हमारे देश के पूर्व- प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी के काफी करीबी थे जिन्होंने यहां के अनुसूचित जाति /जनजाति के लोगों के लिए आम जनमानस के लिए तमाम काम किया ,यह कहना कतई गलत नहीं होगा तो 1989 के पहले देश की आजादी के बाद जनपद सोनभद्र में जो विकास हुआ वह अदुतीय है । जिले में एनटीपीसी की स्थापना रही हो, हिंडालको इंडस्ट्री की स्थापना रही हो ,रिहंद डैम की स्थापना रही हो, ओबरा तापीय परियोजना,अनपरा तापीय परियोजना, चुर्क ,डाला सीमेंट फैक्ट्री रही हो ,जिले के अंदर सिंचाई के लिए, किसानों के लिए, तमाम नहरों का जंजाल बिछाया गया, देखा जाए तो आजादी के 40 सालों के अंदर देश में यह जो विकास हुए उसमें जनपद सोनभद्र के अंदर ही यह विकास है। दूसरी ओर 1989 से लेकर अभी तक इन 36 सालों में जनपद सोनभद्र के अंदर क्या विकास हुआ है यह किसी से छुपा नहीं है जनपद सोनभद्र जो प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला जनपद भी है मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड इन चार प्रदेशों से सटा हुआ यह जिला जहां उद्योग की कोई कमी नहीं है। गिट्टी, बालू, कोयला, विद्युत, जल से परिपूर्ण जनपद विकास को लेकर तरस रहा है ।1989 के बाद बनी सरकारों ने जनपद के विकास को लेकर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई कि यहां के नौजवानों, युवाओं , व्यवसाईयों ,किसानों के लिए एक उदाहरण बनकर सामने आए ।चाहे नौजवान हो, चाहे किसान हो, चाहे व्यापारी हो, सब अपने-अपने विकास को लेकर तरस रहे हैं।कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि यहां का नौजवान दर-दर की ठोकरे खा रहा है यहां पर स्थित कंपनि यह भूल चुकी है कि उनका निर्माण किस रूप में हुआ था वर्तमान सरकार और 1989 के बाद की सरकारों के जनप्रतिनिधि ने इस पर ध्यान नहीं दिया, कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि जनपद के अंदर खनिज संपदाओं को लूटने का कार्य तो तमाम लोगों ने किया लेकिन जनपद को विकास एवं नौजवानों ,किसानों, व्यापारियों के लिए व्यवस्था व्यवस्थित करने का काम किसी ने नहीं किया , युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सूरज कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदूषण से व्याप्त यह जनपद जहां ओबरा, डाला क्षेत्र में ,अनपरा क्षेत्र में प्रदूषण से तमाम बीमारियां फैल नहीं है उस पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है ,कांग्रेस नेता ओमप्रकाश भारती ने कहा कि दक्षिणांचल में पानी की शुद्धता इतनी खराब हो चुकी है कि आज भी कुपोषित बच्चे इस जनपद में पाए जाते हैं इस पर 89 की बात की सरकारों ने ध्यान नहीं दिया ,छात्र नेता अंशु गुप्ता ने कहा कि आज देश का नौजवान दर-दर की ठोकरे खा रहा है जनपद सोनभद्र का भी नौजवान पढ़ाई - लिखाई के बाद यहां पर स्थित फैक्ट्री में नौकरी पाने के लिए लाइन लगा रहा है उसे वरीयता नहीं मिल रही है ।मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में मिथिलेश पासवान , रविन्द्र यादव ,करन कुमार, बुल्लू भारती, संतोष पाठक ,कमलेश गुप्ता,हिंदुस्तानी गुप्ता,सुनील गुप्ता,अरुण सोनी , रहे ।

नव प्रवेशित छात्रों का किया गया सम्मान समारोह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विंध्य कन्या महाविद्यालय रावटसगंज में मंगलवार को डीएलएड प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्राओं का सम्मान किया गया ।कार्यक्रम के प्रारंभ में पूज्य आचार्य मिथिलेश नंदनी शरण पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ श्री हनुमान निवास अयोध्या द्वारा सरस्वती

के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन कर किया गया ।तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अंजली विक्रम सिंह व मुख्य ट्रस्टी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्रम व स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया ।इसके पश्चात छात्राओं द्वार भजन वह लोक नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । छात्राओं मुख्य रूप से सुधा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहां के इस विद्यालय से हमारा गहरा संबंध हो गया है क्योंकि इस विद्यालय के अध्यापक व अध्यापिकाएं हमारे पूरे सत्र मार्गदर्शन करती रही ।तत्पश्चात मुख्य अतिथि महोदय ने छात्रों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि आज बालिकाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है अपने उद्बोधन में कहा कि श्री राम की महिमा में सबसे ज्यादा महत्व दिए जाने वाले शब्दों में से एक है लोकभीराम इसका अर्थ है कि वह जो दुनिया या लोगों के लिए प्रिया और मनोहर है लोग एक अलौकिक तत्व के माध्यम से प्रकट होता है जो एक अन्य सांसारिक शक्ति को प्रतिबिंबित करता है इसलिए भारतीय दर्शन कहता है यहां सब कुछ भ्रम है जो लोग इस तत्व को पहचानते हैं वह उ ऊंच नीच के बीच अंतर करते हैं नियम बनाते हैं और निषेध स्थापित करते हैं आगे उन्होंने कहा कि भारत एक संस्कृति आधारित देश भारत सभ्यता आधारित राष्ट्र नहीं है सभ्यता बाहरी और कृत्रिम है जबकि संस्कृति आंतरिक और मौलिक है जब हम संस्कृत के तत्व में गहराई से उतरते हैं तो हमें पता चलता है कि यह धर्म में निहित है धर्म अस्तित्व को उसकी मूल भावना में बनाए रखने की अवधारणा है वेद बताते हैं कि मंथन का असर कठोर चीजों को नरम करने उसे कुचलना तरल और सरल बनाने का है मंथन का उद्देश्य कठोर परंपराओं आचरण या भावनाओं को अधिक तरल और सुलभ बनाना है अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अंजलि विक्रम सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम नए शैक्षणिक साल की शुरुआत करने के लिए आयोजित किया जाने वाला कार्यक्रम है यह महाविद्यालय की परंपरा है इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना होता है यह कार्यक्रम छात्रों के शैक्षणिक और सामाजिक जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है महाविद्यालय के सीनियर छात्राएं नए छात्राओं से मिलती हैं जिससे नव प्रवेशीत? छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता कार्यक्रम में मिस फ्रेशर्स मोनिका सेठ डीएलएड प्रथम सेमेस्टर को चुना गया का तथा खेल में आंचल और आराधना को पुरस्कृत किया गया । विश्वविद्यालय में टॉप 10 की सूची में आने वाली छात्राओं को भी महाविद्यालय द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया अतिथियों में मुख्य रूप से आलोक चतुर्वेदी अशोक मिश्रा मधुकर चौबे, अवधेश दीक्षित ,आलोक चतुर्वेदी, कार्यक्रम संयोजक उपस्थित रहे ।साथ ही साथ महाविद्यालय के समस्त प्रवक्ता व कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन कृतिका पाठक व आरती डीएलएड तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा किया गया।

दृष्टिगत दंगा/बलवा से निपटने व नियंत्रण पुलिस है तैयार आईजीःआर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आर.पी. सिंह, आई जी विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर द्वारा अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के साथ पुलिस लाइन

सभागार कक्ष में जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी निरीक्षकों/ थानाध्यक्षों व पुलिस कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन सभागार कक्ष में आगामी त्यौहारों रमजान, होली व जनपद में शांति/सुरक्षा व्यवस्था हेतु अपराध समीक्षा बैठक की गई। महोदय द्वारा जनपद में आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न करायें जाने हेतु सभी अधिकारीगणों/थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर, संवेदनशील गांवों में अलग से पुलिस बल की ड्यूटी लगाकर तथा धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाने हेतु निर्देशित किया गया। प्रभारी 112 को जनपद की समस्त पीआरवी को मिलने वाली समस्त इवेन्ट पर शीघ्र अतिशीघ्र मौके पर पहुंच कर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में जनपद में अपराधों की रोकथाम हेतु अपराध समीक्षा बैठक भी की गयी। महोदय द्वारा सभी थानों के प्रभारी के साथ सम्बन्धित थानों के बारें में जानकारी लेते हुए उनकी समस्याओं को भी जाना। बैठक के दौरान जनपद के सभी थानों पर लम्बित विवेचनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। द्वारा जनपद के समस्त थानों पर अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने, थानों के मालों का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए । इसके साथ ही वर्तमान समय में शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों एवं अभियानों के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

दूसरे दिन डिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन और मल्टीमीडिया सुरक्षा पर गहन चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में चल रहे ईपेंस (ईंध्ए) 2025 के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों ने शोधकर्ताओं और

विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों की गहरी समझ प्रदान की। इस दिन डिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन तकनीक और मल्टीमीडिया सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए, जिनमें छात्रों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंशुल वर्मा (बीएचयू, वाराणसी) के व्याख्यान से हुई, जिसमें उन्होंने ठडिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग - क्लाउड, फॉग और एजठ के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इन तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोग और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की, जिससे प्रतिभागियों को आधुनिक कंप्यूटिंग संरचना को समझने का अवसर मिला। दूसरे सत्र में डॉ. गौरव बरनवाल (बीएचयू, वाराणसी) ने ठब्लॉकचेन तकनीक और इसके अनुप्रयोग (बिटकॉइन)ठ पर व्याख्यान दिया। उनका सत्र विशेष रूप से रोचक रहा, क्योंकि छात्रों ने ब्लॉकचेन की कार्यप्रणाली, सुरक्षा पहलुओं और बिटकॉइन के आर्थिक प्रभावों को लेकर गहरी रुचि दिखाई। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बिटकॉइन की भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। अंतिम सत्र में डॉ. मनेजर यादव (आर.ई.सी. सोनभद्र) ने विज़ुअल सीक्रेट शेयरिंग के माध्यम से मल्टीमीडिया सुरक्षाठ पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने डिजिटल डेटा संरक्षण की नई तकनीकों पर चर्चा की और बताया कि कैसे यह तकनीक संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखने में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। ईपेंस 2025 का यह सत्र तकनीकी क्षेत्र में उभरते रुझानों को समझने और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर सेंसिटिव इंडिया फाउंडेशन ने कि मुफ्त श्रवण जाच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय रेनूकूट मे विश्व श्रवण दिवस के उपलक्ष्य मे सेन्सिटिव इंडिया फाउंडेशन ने मुफ़्त श्रवण जांच , सुनने की मशीन पर आकर्षक

छूट तथा फिज़ीओथेरपी, स्पीच थेरपी, आक्यपैशनल थेरेपी, स्पेशल एजुकेशन, वोकैशनल प्रशिक्षण दिया जिससे उनलोगों को लाभ मिल जो सुनने बोलने चलाने फिरने तथा सामाजिक सामंजस्य ना बना पाने की समस्या से ग्रसित है, जिसमे डॉ अंकित तिवारी ने लोगों को संदेश देते हुवे जागरूक किया की अपनी श्रवण शक्ति को बनाए रखने के लिए तेज आवाजों से, एयर फोन से, प्रदूषण से दूरी बनाए रखना जरूरी है और अपने कान की जांच समय समय पर करते रहना चाहिए एवं छोटे बच्चे जो आवाजों पर प्रतिक्रिया नही देते है उन्हें श्रवण एवं वाक विशेषज्ञ के पास ले के जाएं एवं उनके श्रवण की जांच कराएं। इस कार्यक्रम मे डॉ विशेश्वर चौहान, डॉ अंकित तिवारी, सुनील मौर्य, ई0 एस0 आई0 अस्पताल के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ आशुतोष दत्त त्रिपाठी, डॉ अखिलानंद मिश्र, डॉ के0 सी0 गुप्ता, डॉ आनंद कुमार पटेल एवं अनुराग कुमार उपस्थित रहे, इस कार्यक्रम के माध्यम से सैकड़ों लोग लाभान्वित हुवे , तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ई0 यस0 ई0 अस्पताल के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा ।

रोजगार मेलें में 97 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रोजगार मेलें में कुल 97 अभ्यर्थियों का चयन सोमवार को जिला सेवायोजन कार्यालय, परिसर, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी,

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम (सोनभद्र डिपो) में संविदा पर चालक की भर्ती, फेम इण्डस्ट्रीज लि0, अलवर, राजस्थान, ग्रीनटास इंडस्ट्रीज प्रा0 लि0, वाराणसी, एस0बी0आई0 कार्ड, वाराणसी, एल0आई0सी0, राबर्ट्सगंज, वङ्का इण्डस्ट्रीज, राबर्ट्सगंज, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, मधुपुर, सोनभद्र, जे0पी0 सिलीण्डर लि0, श्रीराम पिस्टन एण्ड रिंग्स लि0, भिवाड़ी, राजस्थान, वृष्णा मारूति लि0, गुड़गाँव एवं नेशनल सेक्योरिटी सर्विसेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि ने प्रतिभाग किया । इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 97 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन अधिकारी प्रमोद तिवारी, सच्चिदानन्द, मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जमील अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई पर आए समस्याओं में 25 शिकायतें का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश

के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी/नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण मनोज चौबे, अनवर अली,धर्मराज जैन,एवं नगर पालिका जेई मनीष कुमार,अजीत सिंह,सुजीत कुमार,विमलेश ,संत सोनी कर्मचारी उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा पर ट्रक चालक को पीटा, पांच गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

विंध्याचल। अष्टभुजा टोल प्लाजा पर रविवार की शाम एक ट्रक चालक की कुछ लोगों ने पिटाई कर दी।

मामले का वीडियो वायरल होने और ट्रक चालक की तहरीर पर पुलिस ने सोमवार को बोलेरो सवार दो लोगों और टोल प्लाजा के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया।रविवार की शाम ट्रक चालक बोलेरो को ओवरटेक कर अष्टभुजा टोल प्लाजा पर पहुंचा। इसी बीच पीछे से आई बोलेरो पर सवार दो लोगों और टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने मिलकर ट्रक चालक की पिटाई कर दी। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस सक्रिय हो गई। जिगना थाना क्षेत्र के कोठरा मिश्रान निवासी लक्ष्मी शंकर यादव ने बताया कि दो मार्च को उसका बेटा संजय कुमार यादव मिर्जापुर से गैपुरा होते हुए सतना जा रहा था। गोपालपुर के पास ओवरटेक करने के विवाद में देवेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह, विजय कुमार सिंह, शिवम सिंह और जिवबोधन निवासी अकोढ़ी ने टोल प्लाजा पर संजय की पिटाई कर दी। साथ ही ट्रक शीशा तोड़कर जान से मारने की धमकी दिया। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मानदेय को लेकर किया विरोध प्रदर्शन सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सीएमओ ऑफिस पर सोमवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारीयो के एक दल ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अस्वनी कुमार के नामित ज्ञापन पत्र सौपा । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि अपनी निम्न मांगो को रखा गया जिन कर्मचारियों का 3 वर्ष एवं 5 वर्ष की लगातार सेवा पूर्ण हो गई है एवं उनका लॉयल्टी बोनस प्राप्त नहीं हुआ है उसे देने की कृपा करें,पिछले 1 वर्षों से जनपद स्तर पर कर्मचारियों से संबंधित समस्याओं की निस्तारण के संबंध में गठित सीआरसी की बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नहीं कराया जा रहा है जिससे कर्मचारियों को अपनी समस्या को रखने में समस्या उत्पन्न हो रही है और म्योरपुर ब्लॉक मे कार्यरत ए एन ?म का पिछले 1 वर्ष से मातृत्व अवकाश का पत्र मुख्य अधिकारी को देने के बावजूद 5 महीने का मानदेय अब तक नहीं दिया गया है जिसे इस माह में दिलवाने की कृपा करें चोपन ब्लाक में कार्यरत एएनएम का बिना किसी पूर्व सूचना के दो से पांच दिन का मानदेय नहीं प्राप्त हुआ है।

डूंचौकी रेनुकूट पुलिस ने भटकी हुई 02 नाबालिग बच्चियों को उनके परिजनों को किया सकुशल सुपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। परिजनों व आमजनमानस के लोगों ने चौकी रेनूकुट पुलिस टीम की खूब की सराहना- अवगत कराना है कि

02 नाबालिग बच्चियां रोशनी प्रवीन उम्र लगभग 07 वर्ष व नूरजहां प्रवीन उम्र लगभग 04 वर्ष जो कि दिनांक-02.03.2025 को अपने घर से भटकते हुए रेनुकूट, थाना पिपरी अन्तर्गत पहुंच गयी जहां पर दोनों बच्चियां परेशान और रोती दिखाई दी, जिसपर थाना पिपरी क्षेत्र के लोगों द्वारा दोनों बच्चियों के बारे में पुलिस चौकी रेनुकूट को सूचना दी गयी। उक्त सूचना पर चौकी रेनुकूट पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों नाबालिग बच्चियों से वार्ता व जानकारी करते हुए इनके परिजनों को सूचना दी गयी। आज दिनांक-03.03.2025 को भटकी हुई बच्चियों के पिता सरफुद्दीन पुत्र सलाउद्दीन निवासी म0प्र0 को दोनों बच्चियों को सकुशल सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पुलिस को धन्यवाद देते हुए भूरि-भूरि प्रंशसा की गयी।

बॉलीवुड/टैली मसाला

'परदेस' से लेकर 'नादानियां' तक महिमा चौधरी का फिल्मी सफर, इन किरदारों से हुई फेमस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महिमा चौधरी के करियर में अब एक नया मोड़ आ चुका है, वह हीरोइन के किरदारों से हटकर कैरेक्टर्स रोल्स निभा रही हैं। महिमा ने अपने करियर की दूसरी पारी शुरू कर ली है। पर अलग तरह के किरदारों में दिखीं, अपने करियर की दूसरी पारी भी शुरू की। जानिए, महिमा चौधरी की कुछ चर्चित फिल्मों और किरदारों के बारे में। जल्द ही ओटीटी पर इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की फिल्म 'नादानियां' रिलीज होगी। मजबूत किरदार निभाया था। इस फिल्म में वह एक नामी राइटर, एक्टिविस्ट पुपुल जयकर के रोल में दिखी थीं। पुपुल जयकर, इंदिरा गांधी की करीबी दोस्त भी थीं। फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में कंगना रनौत नजर

साथ ही यह भी जानिए कि महिमा चौधरी को पूरे फिल्मी करियर में किन किरदारों में ज्यादा सराहा गया। महिमा चौधरी का फिल्मी करियर साल 1997 में फिल्म 'परदेस' से शुरू हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। तब से लेकर अब तक महिमा ने कई फिल्मों में अभिनय किया है। पिछले कुछ सालों में वह बड़े पर्दे इस फिल्म में महिमा चौधरी भी नजर आएंगी। वह फिल्म में खुशी कपूर की मां का रोल कर रही हैं। फिल्म में महिमा के अपोजिट सुनील शेट्टी हैं। इस फिल्म को करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस तले बनाया गया है। फिल्म 'नादानियां' में तो महिमा चौधरी मां के रोल में दिखेंगी। लेकिन कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी(2025)' में उन्होंने एक आईं, इस फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने ही किया। साल 2024 में अनुपम खेर ने एक इमोशनल ड्रामा फिल्म 'सिग्नेचर' की थीं। इस फिल्म को गजेंद्र अहीरे ने निर्देशित किया। फिल्म में महिमा चौधरी ने भी अंबिका नाम की महिला का रोल किया था। फिल्म 'सिग्नेचर' महिमा चौधरी के लिए खास मूवी रही क्योंकि इसके जरिए उन्होंने लगभग 9 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की। महिमा चौधरी का यह कमबैक इसलिए भी खास रहा क्योंकि कैंसर से लड़ाई जीतकर वह दर्शकों के सामने आईं। सभी के लिए एक मोटिवेशन बनीं। महिमा चौधरी ने चाहे अपने करियर की नई पारी शुरू कर ली हो, लेकिन आज भी दर्शक एक्ट्रेस को उनकी पुरानी फिल्मों, किरदारों के कारण ही ज्यादा पहचानते हैं। खासकर महिमा की पहली फिल्म 'परदेस(1997)' में गंगा का निभाया, उनका किरदार अब भी दर्शकों के मन में बसा हुआ है। इस फिल्म में उनके अपोजिट शाहरुख खान थे, फिल्म को सुभाष घई ने निर्देशित किया था। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'दाग-द फायर' में महिमा ने कजरी वर्मा का रोल किया। फिल्म को राज कंवर ने निर्देशित किया, साथ ही फिल्म में संजय दत्त और चंद्रचूड़ जैसे एक्टर्स भी नजर आए। इसी तरह प्रकाश झा निर्देशित फिल्म 'दिल क्या करे (1999)' में महिमा, अजय देवगन और काजोल के साथ दिखीं। वूमेन सेंट्रिक फिल्म का हिस्सा भी महिमा बनीं वह माधुरी दीक्षित, मनीषा कोईराला के साथ फिल्म 'लज्जा(2001) में नजर आईं, इसमें एक्ट्रेस ने मैथिली नाम की लड़की का रोल निभाया था। इन फिल्मों के अलावा महिमा 'धड़कन', 'एलओसी कारगिल', 'सेहर', 'सैंडविच' जैसी फिल्मों में भी अलग-अलग तरह के किरदारों में दिखीं।

आशुतोष के बेटे की शादी में शामिल हुए शाहरुख, ब्लैक टक्सिडो में हैंडसम दिखे किंग खान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क ने नियति कनकिया से शादी कर ली है, जिसमें शाहरुख खान, आमिर खान और विद्या बालन जैसी बॉलीवुड हस्तियां शामिल हुईं।फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर के बेटे की शादी में कई बॉलीवुड सितारे

शामिल हुए। आमिर खान, विद्या बालन, जावेद अख्तर-शबाना आजमी और शाहरुख खान के अलावा भी कई बॉलीवुड दिग्गज ने शादी में अपनी मौजूदगी से चार चांद लगा दिए।शाहरुख खान शादी में काले रंग के टक्सिडो ब्लैक सूट में बेहद हैंडसम दिखाई दिए। इस दौरान किंग खान के साथ उनकी मैनेजर पूजा ददलानी और सुरक्षाकर्मी भी दिखाई दिए। कहने की जरूरत नहीं कि सुपरस्टार हमेशा की तरह अपनी प्रजेंस से वहां पर मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। इस दौरान आशुतोष गोवारिकर ने शाहरुख खान का गर्मजोशी से गले लगाकर स्वागत किया। आशुतोष गोवारिकर और शाहरुख खान का रिश्ता बहुत पुराना है। दोनों ने 2004 में फिल्म स्वदेश में साथ काम किया था, जिसे एक कल्ट इंडियन फिल्म के तौर पर जाना जाता है। फिल्म के गाने भी दर्शकों को बेहद पसंद आए थे। इस बीच, शादी और प्री-वेडिंग सेरेमनी के कई पल वायरल हो रहे हैं। हालांकि, सबसे खास क्लिप वह थी जब लगान के निर्माता आशुतोष गोवारिकर मंच पर चढ़े और अपनी ही फिल्म के चार्टबस्टर ट्रैक ओ मितवा पर डांस किया। आशुतोष गोवारिकर और निर्माता सुनीता गोवारिकर के बेटे कोणार्क गोवारिकर की शादी 2 मार्च को हुई। उन्होंने कनकिया बिल्डर्स के रसेश बाबूभाई कनकिया की बेटी नियति कनकिया से विवाह किया। उनकी शादी का जश्न 28 फरवरी को पारंपरिक हल्दी समारोह के साथ शुरू हुआ था। उसके बाद 1 मार्च को संगीत समारोह हुआ, जिसमें उनके परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए।

क्या बिना हीरो वाली फिल्म बनाएंगे संदीप अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर किया इशारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कबीर सिंह' और 'एनिमल' जैसी हीरो सेंट्रिक मूवीज बनाने वाले डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में बताया कि वह अब बिना हीरो वाली फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। कब वह इस फिल्म को बनाएंगे, इसके बारे में भी डायरेक्टर ने बताया। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अपनी फिल्मों के सब्जेक्ट, ट्रीटमेंट को लेकर अकसर ही क्रिटिसाइज किए जाते हैं। वह अपनी फिल्मों में हीरो को अल्फा मेल या वॉयलेंट दिखाते हैं। इस बात पर कुछ महिला दर्शकों को समस्या रही है। हाल ही में संदीप ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह अब बिना हीरो वाली फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। हाल ही में यूट्यूब चैनल गेम चेंजर को दिए गए इंटरव्यू में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि वह अब ऐसी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं, जिसमें कोई मेल लीड नहीं होगा, साथ ही फिल्म में कोई गाना भी नहीं होगा। आने वाले पांच सालों में वह ऐसी फिल्म बना सकते हैं। जब संदीप से पूछा जाता है कि बिना हीरो वाली आपकी फिल्म से महिला दर्शकों को खुशी होगी। इस पर संदीप का जवाब था कि वो भी उनको पसंद नहीं आएगा। इस बात को वह लिखकर देने को भी

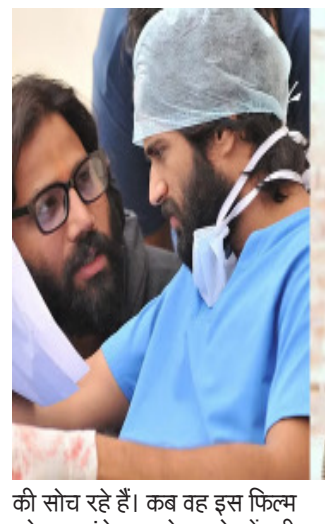

तैयार हैं। दरअसल, संदीप की फिल्मों को अकसर ही फीमेल ऑडियंस नापसंद करती हैं संदीप रेड्डी ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल' बनाई थी। इसमें भी एक्टर का किरदार कई दर्शकों को पसंद नहीं आया। कहा गया कि यह किरदार समाज पर बुरा असर डालेगा। फिल्म में अपने पिता को प्रोटेक्ट करने के लिए रणबीर कपूर का किरदार, कई लोगों को मार देता है। फिल्म में काफी वॉयलेंस दिखाया गया था। संदीप की अगली फिल्मों की बात की जाए तो वह 'स्पिरिट' और 'एनिमल पार्क' बना रहे हैं। एनिमल पार्क में रणबीर कपूर ही लीड रोल में होंगे। वहीं 'स्पिरिट' में प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म का प्रभास के फैंस को लंबे समय से इंतजार है।

मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज होंगी ये बॉलीवुड-टॉलीवुड की फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मार्च में बॉलीवुड और टॉलीवुड की कई शानदार फिल्में रिलीज हो रही हैं, जो हर तरह के दर्शकों को मनोरंजन करेंगी। आइए जानते हैं इस लिस्ट में आपके लिए क्या खास है।मार्च में एक्शन, ड्रामा, थ्रिलर और रोमांस से भरपूर कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें सलमान खान की 'सिकंदर' से लेकर पवन कल्याण की 'हरि हर वीरा मल्लू' रिलीज होगी। इस महीने बेहद जिसमें जबर्दस्त एक्शन और थ्रिलर देखने को मिलेगा, जिसे एआर मुरुगादॉस ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने निर्मित किया है। फिल्म में सलमान खान मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ रश्मिका मंदाना , काजल अग्रवाल , सत्यराज , शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिका हैं। सिकंदर दुनिया भर के सिनेमाघरों में 28 मार्च 2025 को ईद-उल-फितर के दिन रिलीज होने

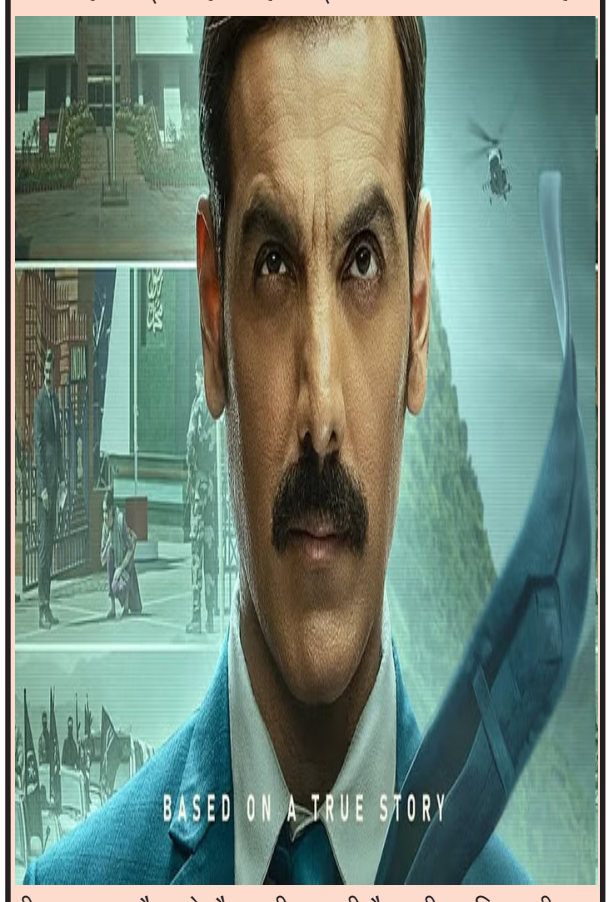

ही शानदार और बड़े बैनर की फिल्में रिलीज हो रही हैं। आइए जानते हैं इस फिल्मी पिटारे में आपके लिए क्या है खास। द डिप्लोमैट एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जटिलताओं को दिखाया जाएगा। फिल्म का निर्देशन शिवम् नायर ने किया है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम अहम भूमिका में नजर आएंगे। भूषण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। यह फिल्म 7 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। केसरी वीर 14 मार्च को रिलीज हो रही है। केसरी वीर का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है। इस फिल्म में सूरज पंचोली, सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, और आकांक्षा शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। कानू चौहान फिल्म के निर्माता हैं सिकंदर एक बड़े बजट की बॉलीवुड फिल्म है, वाली है। लुसीफर फिल्म की यह अगली कड़ी है, जिसे मोहनलाल के प्रशंसक लंबे समय से देखने के लिए उत्सुक हैं। यह फिल्म 2019 की ब्लॉकबस्टर मलयालम फिल्म 'लूसिफर' का सीक्वल है। इस फिल्म में भी मोहनलाल लूसिफर के किरदार में वापसी कर रहे हैं। 'लूसिफर' अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बतौर निर्देशक पहली फिल्म थी। यह फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। पवन कल्याण अभिनीत फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' एक एक्शन-ड्रामा है, जिसमें वीरता और ऐतिहासिक घटनाओं को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में पवन 17वीं शताब्दी की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करेंगे। ज्योतिकृष्ण द्वारा निर्देशित यह फिल्म 28 मार्च को तेलुगु, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होने वाली है।

इस मामले में खुद को लालची मानती हैं शबाना आजमी, कहा- मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री शबाना आजमी एक बातचीत में साझा किया कि वह निर्देशकों से काम मांगने में बिल्कुल भी संकोच नहीं करती हैं। उन्होंने इस मामले में खुद को लालची

बताया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहाहाल ही में दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी की वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' रिलीज हुई। इस सीरीज में उनके अलावा अंजलि आनंद, ज्योतिका और शालिनी पांडे ने भी अहम भूमिका निभाई है। सीरीज में अभिनेत्री के अभिनय की सराहना हो रही है। इस बीच शबाना आजमी ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही उन्होंने खुद को लालची अभिनेत्री भी बताया। आइए जानते हैं उन्होंने ऐसा क्यों कहा शबाना आजमी ने हाल ही में बॉलीवुड बबल से बातचीत में अपने पेश की वास्तविकता के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान पुरुष और महिला कलाकारों के वेतन में अंतर और खुद के फेम को मैनेज करने पर भी उन्होंने बेझिझक अपनी राय रखी। शबाना ने बिना किसी हिचक के साझा किया कि वह एक लालची अभिनेत्री हैं, जो निर्देशकों से काम मांगने में संकोच नहीं करती हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ठनिश्चित रूप से, मुझे किसी निर्देशक से संपर्क करने और यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, 'आप मुझे कब कास्ट करेंगे? आप मुझे क्यों नहीं कास्ट करेंगे? यदि आप नहीं करते हैं, तो मैं आपके घर के बाहर धरना करूंगी।' मैं तब तक धरना दूंगी जब तक कि वह तंग आकर यह ना कहें, 'ठीक है, चलो इसे कास्ट करते हैं।' मुझे कोई समस्या नहीं है मुझे इतना आत्मविश्वास है। इस दौरान उन्होंने एक घटना को भी याद किया जब अनु मलिक ने एक प्रोजेक्ट पर सहयोग करने के लिए उमेश मेहरा का पीछा किया था। उन्होंने काम मांगने में अपना आत्मविश्वास दिखाने के लिए यह कहानी शेयर की, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें भूमिकाओं के लिए निर्देशकों से संपर्क करने में कोई संदेह नहीं है। 'डब्बा कार्टेल' का निर्देशन हितेश भाटिया ने किया है। इस सीरीज का प्रीमियर 28 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर हुआ। इस सीरीज को शिबानी अख्तर, विष्णु मेनन, गौरव कपूर और आकांक्षा सेडा ने बनाया है। इसमें शबाना आजमी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, साईं ताम्हणकर, जीशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेंद्र सिंह जादावत जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है।

तीसरे सोमवार सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनीं 'छावा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म 'छावा' को सिनेमाघरों में लगे हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं। यह फिल्म अब 500 करोड़ रुपये कमाने के करीब पहुंच

रही है। तीसरे हफ्ते में इस फिल्म ने कमाई के मामले में अर्जुन अल्लू की फिल्म 'पुष्पा 2' के हिंदी वर्जन को भी पीछे छोड़ दिया है। जानिए, विक्की कौशल की इस फिल्म ने 18वें दिन कितना कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर किया विक्की कौशल स्टारर और लक्ष्मण उतेकर डायरेक्टेड फिल्म 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर तीसरे हफ्ते भी अपना दमखम दिखा रही है। तीसरे हफ्ते में आकर 'छावा' ने कमाई के मामले में कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। जानिए, 'छावा' की कुल कमाई और 18वें दिन इस फिल्म ने कितने रुपये बटोर लिए हैं।फिल्म 'छावा' ने अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 18वें दिन लगभग 6.14 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। यह कमाई वीकएंड के मुकाबले कम है लेकिन फिल्म 'छावा' का कुल कलेक्शन शानदार है। इस फिल्म ने अब तक 464.89 करोड़ रुपये का कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर कर लिया है। फिल्म इसी तरह से कमाई करती रही तो जल्द ही 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से छू लेगी। तीसरे हफ्ते में कमाई के मामले में विक्की कौशल की फिल्म ने 'पुष्पा 2' के हिंदी वर्जन को पीछे छोड़ दिया है।

इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में डेब्यू करेंगे डेविड वार्नर जानें फिल्म का नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर जल्द ही क्रिकेट के बाद अब फिल्मों में छाने वाले हैं। कथित

तौर पर डेविड फिल्मों में अभिनय करने वाले हैं।डेविड वार्नर आईपीएल के इतिहास में सबसे सफल विदेशी बल्लेबाज हैं। क्रिकेट पिच के अलावा अब डेविड फिल्मों में अभिनय करते नजर आएंगे। आइए किस फिल्म में नजर आएंगे डेविड वार्नर। डेविड वार्नर का टॉलीवुड के लिए प्यार किसी से छुपा नहीं है। पुष्पा 2 की रिलीज के अलावा डेविड ने अक्सर ही साउथ सिनेमा के लिए अपना प्यार रील्स के जरिए दिखाया है। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन की मेगा-ब्लॉकबस्टर पुष्पा पर डेविड वॉर्नर की रील्स उस समय से ही चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उनकी प्रशंसा से प्रभावित होकर, कई प्रशंसकों ने कहा कि डेविड को टॉलीवुड में अभिनय करना चाहिए। आखिरकार, अब डेविड वार्नर के प्रशंसकों का सपना सच होने वाला है क्योंकि वह साउथ अभिनेता नितिन की एडवेंचरस कॉमेडी एंटरटेनर रॉबिनहुड के साथ भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रॉबिनहुड के निर्माता रवि शंकर ने किंग्स्टन के प्रमोशनल इवेंट में इस खबर की आधिकारिक घोषणा की। निर्माता ने बताया कि वार्नर ने वेंकी कुडुमुला के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कैमियो किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वार्नर को शूटिंग के हर दिन के लिए 1 करोड़ रुपये ऑफर किए गए थे।फिल्म रॉबिनहुड में साउथ अभिनेता नितिन के अलावा श्रीलीला की मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 28 मार्च, 2025 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिवानी तनुजा तोमर से आधुनिक समाचार की खास मुलाकात

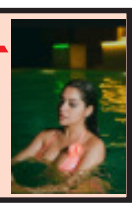

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुम्बई।

इम्तियाज- बॉलीवुड मे कैसे आना हुआ? **शिवानी -** बॉलीबुड मुझे शुरु से हि अच्छा लगता है और मुझे एक्टिंग पसंद है। **इम्तियाज-** आपकेपसंदीदा कलाकार कौन है? **शिवानी -** पसंदीदा कलाकार. माधुरी दीक्षित.. अजय देवगन। **इम्तियाज-** खुद को किस मुकाम पे देखना चाहती है? **शिवानी -** मै अपने आपको एक होनहार कामयाब हीरोइन और प्रोडूसर बनाना चाहती हूं । **इम्तियाज-** किन किन फिल्मो मे काम किया और किस किरदार को करने मे ज्यादा अच्छा लगा? **शिवानी -** वेबसेरिज. भानगढ़ की लैला.. कनक सुंदरी.. मुझे लव स्टोरी. हॉरर स्टोरी. रोमांटिक सीन करना अच्छा लगता है मेरी आने बाला सीरियल. नादानियाँ दिल की नागिन-7। **इम्तियाज-** जो लड़किया फिल्मो मे आना चाहती है उनके लिए सुझाव? **शिवानी -** जो फ़िल्म लाइन मै आना चाहती है वो मेहनत और सीखने के बाद ही कामयाबी हासिल कर सकती है ना की अपने आपको गिराकर । **इम्तियाज-** शादी के बारे मे क्या सोचा है? **शिवानी -** अभी कुछ सोचा नही है । **इम्तियाज-** आधुनिक समाचार पत्र की टीम को कुछ कहना चाहेंगी? **शिवानी -** मुझे बहुत खुशी हुई की आधुनिक समाचार पत्र ने मुझे काबिल समझा और बहुत बहुत बधाई आधुनिक समाचार टीम को।

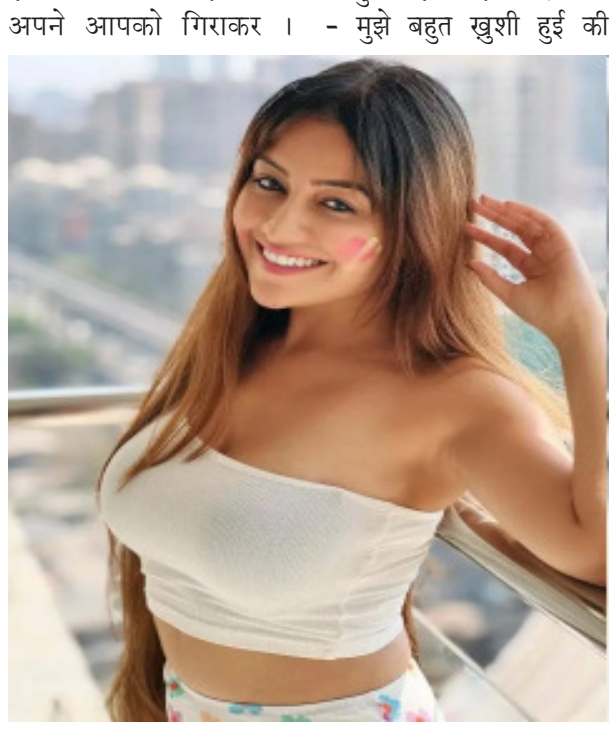

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।